जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025

विचार बिन्दु

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं। –कौटिल्य अर्थशास्त्र

संघ शताब्दी वर्ष :

देश के हर गांव - गुवाड़ और चौपाल पर पंच परिवर्तन का शंखनाद करेगा संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयदशमी 2025 के पावन पर्व पर अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का शुभारम्भ होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन 1925 में की थी। आज देश भर में 51570 स्थानों पर प्रतिदिन कुल 83129 शाखाएं संचालित की जाती हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 हजार से अधिक हैं। साप्ताहिक मिलन में पिछले वर्ष की तुलना में 4430 की वृद्धि के साथ 32147 हो गए है। देश में शाखाओं और मिलन की कुल संख्या 1,15,276 है। वहीं राजस्थान में वर्ष 2023 -24 में 6102 स्थानों पर 9556 शाखाएं, 3903 मिलन थे। जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 6839 स्थानों पर 10757 शाखाएं और 5311 मिलन हो गए हैं।

शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवक पंच परिवर्तन को लेकर जनजागरण करेंगे। इनमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समसरता, स्व आधारित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य, इन बिंदुओं का समावेश रहेगा। शताब्दी वर्ष के दौरान व्यापक गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा गृह सम्पर्क अभियान शुरू करेगा। 20 नवम्बर से 21 दिसम्बर के बीच संघ कार्यकर्ता देश के छह लाख गांवों के 20 करोड़ परिवारों में सम्पर्क करेंगे। इस अभियान में लगभग 20 लाख कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। शताब्दी वर्ष का पहला कार्यक्रम विजयादशमी का होगा। मण्डल व बस्ती स्तर पर आयोजित विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल होंगे।

यह विश्व का सबसे विशाल संगठन है। समाज के हर क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से विभिन्न संगठन चल रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। संघ के विरोधियों ने तीन बार 1948 1975 व 1992 में इस पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन तीनों बार संघ पहले से भी अधिक मजबूत होकर उभरा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अनेक निर्णयों में माना है कि संघ एक सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन है।

देश में 25 जून 1975 को जबरिया आपातकाल लागू कर लाखों विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया था। 21 महीनों का यह काला दौर संविधान के विध्वंस, नागरिक अधिकारों के उल्लंघन, प्रेस पर पाबंदी और विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियां का रहा। इस दौरान विपक्षी पार्टियां नेतृत्व विहीन होने से आपातकाल का जबरदस्त विरोध नहीं कर पा रही थी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अनवरत विरोध मार्च की कमान संभाली। इन पंक्तियों के लेखक ने उस दौरान संघ कार्यकर्ताओं का जज्बा देखा जिन्होंने अपने घर परिवार की परवाह न कर आपातकाल के विरोध में सत्याठाह कर जेलों को भर दिया। सत्याग्रह में हजारों स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी के बाद संघ के कार्यकर्त्ताओं ने भूमिगत रह कर आन्दोलन चलाना शुरू किया। आपातकाल के खिलाफ सड़कों पर पोस्टर चिपकाना, जनता को सूचनाएँ देना और जेलों में बन्द विभिन्नत राजनीतिक कार्यकर्ताओ - नेताओं के बीच संवाद सूत्र का काम संघ कार्यकर्ताओं ने सँभाला। आपातकाल का विरोध करने के कारण तत्कालीन सरकार के इशारों पर संघ कार्यकर्ताओं की पुलिस थानों में पिटाई आम बात हो गई थी। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। आपातकाल के दौरान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब 100 कार्यकर्ताओं की जान चली गई। अनेकानेक कष्ट झेलने के बाद भी संघ कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में विपक्षी दलों के विलय से बनी जनता पार्टी के सरकार बनाने में संघ कार्यकर्ताओं के योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की।

आजादी के बाद से ही कांग्रेस के निशाने पर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। लाख चेष्टा के बावजूद कांग्रेस संघ को समाप्त करना तो दूर हाशिये पर लाने में सफल नहीं हुआ। संघ को खत्म करने के चक्कर में खुद कांग्रेस अपना वजूद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पहली विपदा महात्मा गांधी की हत्या के दौरान आई जब हत्यारे नाथूराम गोडसे को संघ का स्वयंसेवक बताकर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। बाद में एक जांच समिति ने संघ पर लगे आरोपों को सही नहीं बताया तब संघ से प्रतिबन्ध हटा लिया गया और एक बार फिर संघ ने स्वतंत्र होकर अपना कार्य शुरू किया। संघ पर इस दौरान यह आरोप लगाया गया कि वह हिन्दू अधिकारों की वकालत करता है। मगर संघ का कहना है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धित है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है तो इसका कारण यह है कि यहाँ हिन्दू बहुमत में हैं। बताया जाता है कि 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान संघ के अप्रतिम सेवाभावी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं.जवाहर लाल नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का संघ को निमंत्रण दिया। दो दिन की अल्प सूचना के बाबजूद तीन हजार गणवेशधारी स्वयं सेवक उस परेड में शामिल हुए। यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि संघ गांधी हत्यारा था तो पं. नेहरू ने उसे देशभक्त संगठन मानकर परेड में शामिल क्यों किया। संघ पर दूसरी विपदा 1975 में तब आई जब आपातकाल के दौरान उस पर प्रतिबन्ध लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को कारागार में डाल दिया गया। आपातकाल के बाद संघ से प्रतिबन्ध हटाया गया और संघ ने पुन: अपना कार्य प्रारम्भ किया।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की। विभिन्न गुटों में बंटे उनके कथित समाजवादी अनुयायी अपने राजनैतिक लाभों को हासिल करने के लिए उनका विरोध करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी संघ के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर कांग्रेस को झटका दे चुके है। उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार को बड़ा देशभक्त बताया था।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 27 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, प्रीति योग रात्रि 11:49 तक, बालव करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:07 तक है, रात्रि 1:08 से पुन: आरम्भ होगा। आज नत पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:50 से 9:19 तक, चर 12:18 से 1:47 तक, लाभ-अमृत 1:47 से 4:46 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

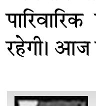

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

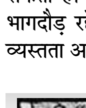

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

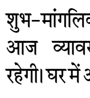

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

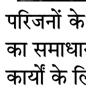

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

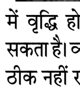

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

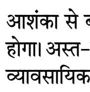

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

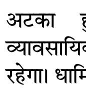

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

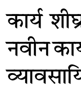

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

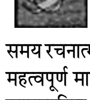

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

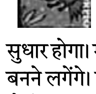

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

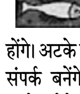

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

पर्यटन संस्कृति की प्रभावी शिक्षा का हो प्रसार

27 सितम्बर, विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष.........

डॉ. अरुणा व्यास

भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। इसकी खास वजह यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थल तो है ही साथ ही वह अपनापे की संस्कृति भी है जिसमे पावणों यानी मेहमानों के लिए विशेष आदर भाव है। और फिर पर्यटन की जितनी विविधता राजस्थान में है उतनी किसी दूसरे प्रदेश में नहीं। समुद्र और बर्फ के अलावा सब कुछ तो है राजस्थान के पर्यटन में। दूर तक फैले रेत के धोरे, किले, महलों के साथ ही झीलें, कलात्मक स्थापत्य से संपन्न बावड़ियां और तालाबों के अलावा अरावाली की पर्वत श्रृंखला से जुड़े पर्यटन स्थल यहां आने वाले पर्यटकों को अपने सौन्दर्य से मुग्ध करते है। गौरवमयी इतिहास से जुड़ी कथा-कहानियां, रंग-रंगीली संस्कृति और उत्सवप्रिय यहां के लोगों की आवभगत आने वाले पर्यटकों को अपना बना लेती है। यही कारण है कि सुदूर देशों से पर्यटक एक बार यहां आता है तो फिर बार-बार आता है।

राजस्थान में पर्यटन की परम्परा आरंभ से ही रही है। तब से ही जब रियासतों का एकीकरण नहीं हुआ था। राजा-महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासकों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में 'हेरिटेज होटल' योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को 'हेरिटेज' की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की शुरूआत हुई और देखते ही देखते प्रदेशभर में हेरिटेज होटलों की एक श्रृंखला बनती चली गई। आज भी देशभर में सर्वाधिक 'हेरिटेज होटल' राजस्थान में हैं। इससे न केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को संजोया जा सका बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान में आकर्षण में तेजी से इजाफा हुआ।

यह सही है, पर्यटन की प्रदेश में अभी भी अपार संभावनाएं हैं। एशिया के छठे बेस्ट होलीडे डेस्टिनेशन होने के बावजूद जितनी आय पर्यटन से राजस्थान को होनी चाहिए हो नहीं रही है। जरूरत इस बात की है कि प्रदेश की पर्यटन क्षमताओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां बने। इसके लिए सबसे बड़ी जरूरत पर्यटन शिक्षा के ढांचे को सुदृढ करने की भी है। उद्योग के रूप में पर्यटन कैसे संचालित हो, इस पर तो वर्तमान पर्यटन शिक्षा में जोर है परन्तु तीर्थाटन से पर्यटन की हमारी विरासत वहां नदारद है। घुमक्कड़ी से जुड़ा भारतीय दर्शन वहां बहुत से स्तरों पर नहीं है। यह होगा तभी हम संस्कृति के संरक्षण के साथ पर्यटन का प्रभावी विकास कर पाएंगे। यह समझे जाने की जरूरत है कि पर्यटन जन उद्योग है, इसका संचालन अन्य उद्योगों की भांति नहीं किया जा सकता। इसके लिए आम जन को जोड़ना अधिक जरूरी है।

जरूरी यह भी है कि राज्य में उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं का व्यावहारिकता के स्तर पर आकलन कर उनका विकास किया जाए। अभी चिर-परिचित स्थानों के विपणन पर तो बहुत कुछ किया जा रहा है परन्तु बहुत से कम जाने-पहचाने स्थानों के विकास पर ध्यान नहीं है। उन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जालोर का किला, सुंधा माता का रोपवे, परमारकालीन संस्कृत पाठशाला, चूरू, नवलगढ़ की हवेलियां, बांसवाड़ा में आथूणा के मंदिर, बाड़मेर में किराडू का शिल्प सौन्दर्य, बीकानेर में गजनेर, उदयपुर में जयसमंद और रूठी रानी के महल, अलवर में भानगढ़, भरतपुर के जल महल और ऐसे ही बहुत से और पर्यटन आकर्षण है, जो पर्यटन मानचित्र पर ठीक से उभरे नहीं है। इनके विकास के साथ ही पर्यटन पथों का इस तरह से विकास किए जाने की जरूरत है कि पर्यटक पैकेज के रूप में कम परिचित स्थानों का दृश्यावलोकन कर सके। इसके साथ ही धार्मिक और घरेलू पर्यटन पर भी विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जरूरत इस बात की भी है कि राज्य सरकार अपने कर्मियों को पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने की नीति पर भी कार्य करे। इन्टरनेट को टूरनेट के रूप में विकसित करने की पहल करें। पर्यटन केन्द्रों पर लेखकों, पत्रकारों की यात्रा भी इस दिशा में सकारात्मक पहल हो सकती है। लेखक, पत्रकारों को कम परिचित पर्यटन स्थलों पर ले जाए जाए। वे वहां जाएंगे तो उन स्थानों के सौन्दर्य और संभावनाओं पर लिखेंगे, स्वाभाविक ही है कि जितना खर्च उनके विज्ञान पर नहीं खर्च करना पड़ेगा उससे अधिक सरकार का प्रचार हो जाएगा।

मूल बात है कि हम राज्य के पर्यटन का विपणन इस रूप में करें कि देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के साथ ही यहां की उन पर्यटन क्षमताओं का भी अधिकाधिक दोहन हो सकें, जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसी से पर्यटन में राजस्थान देशभर में अग्रणी हो सकता है।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

जीएसटी संशोधन 2.0 : आम जनता और महिलाओं के लिए राहत की नई किरण

डॉ. मनीषा सिंह

भारत निरंतर अग्रसर है तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर, भारत की आर्थिक व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में 15 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन के दौरान जीएसटी में अहम संशोधन की घोषणा की। यह घोषणा केवल एक औपचारिक वादा नहीं थी, बल्कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक भी थी। इसके बाद 38 दिनों के भीतर, अर्थात् 22 सितम्बर को यह संशोधन लागू होने जा रहा है। यह कदम न केवल कर-व्यवस्था को सरल बनाने वाला है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है।

जीएसटी संशोधन की पृष्ठभूमि

जीएसटी को 2017 में लागू किया गया था और इसे वन नेशन वन टैक्स की दिशा में ऐतिहासिक सुधार माना गया। लेकिन समय के साथ इसमें कई जटिलताएँ सामने आईं। छोटे व्यापारियों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को इसकी प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। केंद्र सरकार ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्तीय व्यवस्था को आम जनता के लिए सरल और सहज बनाने की घोषणा की। इन्हें राहत देने का काम किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि आर्थिक सुधार तभी सार्थक हैं जब जनता को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिले।

संशोधन का स्वरूप - 2.0

22 सितम्बर से लागू होने जा रहे इस संशोधन में मुख्य रूप से निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं:

1. प्रक्रियाओं में सरलता - रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सहज बनाया गया है, जिससे छोटे व्यापारी और उद्यमी आसानी से इसे पूरा कर सकें।

2. टेक्स स्लैब में राहत - कुछ ज़रूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

3. डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा - ऑनलाइन फाइलिंग और ट्रैकिंग को और अधिक आसान व पारदर्शी बनाया गया है।

4. गृह-उद्योग और कुटीर उद्योग पर विशेष ध्यान - छोटे स्तर के उद्योगों के लिए अनुपालन नियमों में ढील दी गई है।

आम जनता व महिलाओं को होने वाले फायदे

इस संशोधन के लागू होते ही आम जनता को कई लाभ मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ताओं को होगा क्योंकि ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी। रोटी-कपड़ा मकान के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सभी को मिल सकेगा। वहीं, छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए कर-प्रणाली का बोझ घटेगा और उन्हें कारोबार बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। आज सभी के मध्य इस संशोधन को लेकर व्यापक चर्चा है। कई आर्थिक विशेषज्ञों ने इसे भारतीय कर-व्यवस्था में क्रांतिकारी कदम बताया है।

महिलाओं के लिए विशेष लाभ-

भारत में महिलाएँ केवल गृहिणी ही नहीं, बल्कि आज स्वरोजगार और उद्यिमता के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं। कई महिलाएँ छोटे स्तर पर गृह-उद्योग, बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग या ऑनलाइन कारोबार चला रही हैं। जीएसटी संशोधन 2.0 से इन्हें सबसे अधिक फायदा होगा। पहले जहाँ उन्हें रिटर्न फाइल करने, जटिल नियमों और टैक्स स्लैब समझने में मुश्किल आती थी, वहीं अब सरल प्रक्रियाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी। यह संशोधन महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का रास्ता खोलता है और नारी शक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। महिलाओं के बज़ट में रियायत- रसोई से खाने पीने की वस्तुओं से लेकर दवाइयाँ, किचनवेयर, रोजमर्रा ज़रूरत की चीज़ें, घरेलू सामान, सौंदर्य प्रसाधन, नवीनीकरण उपकरणों, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प। शिक्षा - स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं एवं सेवाओं आदि पर जीएसटी 18% या 12% से 5% तक होंगे जिससे जेब का बोझ कम होगा और महिलाओं को आर्थिक बचत होगी जिससे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, जिंदगी बेहतर होगी। उनके लिए कारोबार करना आसान हो जाएगा जिससे आर्थिक सशक्तिकरण राहें आसान होगी।

मोदी सरकार का दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री मोदी जी का सदैव यह मानना रहा है कि जन-हित और देशहित दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। जीएसटी संशोधन को इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की ओर भी कदम है। आर्थिक बोझ कम होने से आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और व्यापारिक गतिविधियाँ तेज़ होंगी। यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनेगा।

राजनीतिक और सामाजिक महत्व

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो यह संशोधन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अक्सर आलोचकों का कहना होता है कि घोषणाएँ समय पर लागू नहीं होतीं, लेकिन इस मामले में मात्र 38 दिनों में ही इसे लागू कर देना सरकार की कार्यक्षमता का प्रमाण है। सामाजिक दृष्टि से यह बदलाव जनता को राहत देने वाला है। जब ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी और कारोबारी वातावरण सुधरेगा, तो इसका सीधा असर समाज के हर वर्ग पर पड़ेगा। 22 सितम्बर से लागू होने वाला जीएसटी संशोधन केवल कर व्यवस्था में बदलाव भर नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। इससे आम जनता को राहत, व्यापारियों को सरलता और महिलाओं को सशक्तिकरण मिलेगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह सुधार भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों को और मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी की यह पहल आने वाले समय में भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी।

–डॉ. मनीषा सिंह,
कार्यकारिणी सदस्य,
मीडिया विभाग भा ज पा
राजस्थान एवं सामाजिक
कार्यकर्ता संरक्षिका मान फाउंडेशन।

धौलपुर में ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिये खुशियों के संदेशवाहक बने

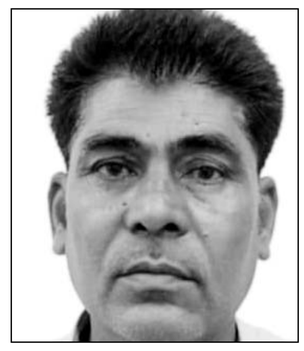

राजकुमार मीणा

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर धौलपुर जिले के लोगों के लिए बड़ी राहत का साधन बन रहे हैं। इन शिविरों ने न केवल वर्षों से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक संबल और न्याय भी दिलाया है।

पशुधन सुरक्षित- परिवार निश्चिंत :-पंचायत समिति सरमथुरा की ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी लक्ष्मीदेवी को शिविर में मंगला पशु बीमा योजना के तहत भैंस की बीमा पॉलिसी मिली। पशु बीमा से उन्हें 40 हज़ार रुपये तक की सुरक्षा गारंटी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार पशुधन की अनहोनी से सुरक्षित है।

दशकों पुरानी राजस्व त्रुटियों का समाधान :-ग्राम भौंहारी के बनवारी पुत्र पूरन का नाम राजस्व रेकार्ड में वर्षों से ग़लत वनवारी दर्ज था। शिविर में उनकी फरियाद सुनते ही राजस्व टीम ने मौके पर ही नाम शुद्ध कर उन्हें न्याय दिलाया। वर्षों पुरानी चिंता मिटने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

पट्टा मिलने पर लौटी मुस्कान :-ग्राम सुन्दरपुर निवासी रामनिवास पुत्र वासुदेव लंबे समय से प्लॉट का पट्टा हस्तांतरण कराने के लिए चक्कर काट रहे थे। धौलपुर शिविर में अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई कर एक ही दिन में पट्टा उनके हाथ में सौंपा। पत्र पाते ही उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

पेंशन से मिली जीवन की गारंटी :-ग्राम पंचायत दौपुरा की मछला देवी ने शिविर में वृद्धावस्था पेंशन की समस्या रखी। उनके परिवार की दयनीय स्थिति जानकर शिविर अधिकारियों ने तुरंत उनकी पेंशन स्वीकृत कर दी। उन्होंने कहा कि अब हर माह मिलने वाली राशि से उनका परिवार सहजता से चल सकेगा।

किसानों के लिए सुरक्षा कवच बनी फसल बीमा योजना :-गौलारी निवासी किसान हाकिम पुत्र किशन गुर्जर को कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया। उन्हें मौके पर ही फसल बीमा पॉलिसी दी गई। हाकिम ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच है, जिससे अचानक आने वाली विपदा में सहारा मिलेगा।

खाता विभाजन से मिटा वर्षों पुराना विवाद :-ग्राम झण्डेकापुरा में उर्मिला, विद्याराम, निरोती, माया, रामबेटी, रामअवतार और सोमोती सहित सात खातेदारों का वर्षों से लंबित खाता विभाजन शिविर में ही निस्तारित कर दिया गया। मौके पर कागज़ात तैयार होने और विवाद खत्म होने पर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और कृतज्ञता झलक उठी।

25 साल पुरानी गलती का निस्तारण :-ग्राम देवखेड़ा के पंकज पुत्र पूरन सिंह के रिकॉर्ड में जाति ग़लत दर्ज थी। ग्रामीण सेवा शिविर में ही राजस्व टीम ने इसे सुधारकर उन्हें सही प्रमाण पत्र सौंप दिया। त्वरित कार्रवाई से उनकी 25 वर्ष पुरानी समस्या मिट गई और उन्होंने खुशी जताते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

सरकार की संवेदनशील पहल :-धौलपुर जिले के ये उदाहरण बताते हैं कि ग्रामीण सेवा शिविर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का वास्तविक समाधान हैं। पशु बीमा से लेकर फसल बीमा, पेंशन से लेकर पट्टे और नाम शुद्धि तककृहर वर्ग के लोग इन शिविरों से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्परता से ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के जीवन में विश्वास, राहत और नई उम्मीद जगाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

राजकुमार मीणा, सहायक निदेशक, ईशा सैनी, एपीआरओ

"गिवअप अभियान" में भीलवाड़ा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं खाद्य मंत्री के कुशल निर्देशन में गिवअप योजना में राज्य के साथ कदम मिलाकर भीलवाड़ा जिले ने भी गिवअप योजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जहां एक ओर प्रदेश में 33.38 लाख लोगों ने एनएफएसए की योजना के लाभ का त्याग किया वहीं दूसरी ओर जिले में 170753 लोगों ने गिवअप कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गिवअप अभियान राज्य में सामाजिक न्याय, खाद्य सुरक्षा सूची शुद्धिकरण, स्वैच्छिक त्याग की भावना व निर्धन सेवा का पर्याय बन गया है। गिवअप अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए इसकी अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, आयकरदाताओं, एक लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों एवं अन्य सम्पन्न वर्ग के लोगों ने स्वेच्छा से एनएफएसए योजना के लाभ का त्याग कर समाज के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। राज्य सरकार ने यह घोषणा की है कि अन्तिम तिथि 31.10.2025 के बाद सम्पन्न किन्तु अपात्र लाभार्थियों के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेंहू की दर से वसूली की जायेगी।

जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिले में जहां एक ओर गिवअप योजना एवं ई-केवाईसी योजना के तहत कुल 246755 लोगों को एनएफएसए योजना से हटाने में सफलता मिली है। वहीं दूसरी ओर जिले में 220789 लोगों को एनएफएसए योजना में शामिल कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जाकर उनकी आर्थिक स्थिति को सम्बल बनाया जा रहा है। इन नये लाभार्थियों को प्रतिमाह 05 किलोग्राम प्रति यूनिट नि:शुल्क गेहूँ के साथ-साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रूपये में प्रति परिवार प्रति वर्ष 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में परिवार का नि:शुल्क पंजीकरण एवं 25 लाख रूपये तक नि:शुल्क ईलाज तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में परिवार का 10 लाख रूपये तक नि:शुल्क दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिल सकेगा। जिले में 246755 लोगों के एनएफएसए योजना के हटने पर प्रतिमाह 3.77 करोड़ रूपये की प्रतिमाह सब्सिडी की बचत होगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 326 प्रभात उदयपुर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप ने दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया, एक अक्टूबर से लागू होगा

ट्रंप के इस फैसले से भारतीय फार्मा उद्योग प्रभावित होंगे, जिनका 45 प्रतिशत बिज़नैस अमेरिका के साथ है

- ट्रंप ने घोषणा की है कि इस टैरिफ वृद्धि से उन फार्मा कंपनियों को राहत मिलेगी, जो अमेरिका में ही मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र बनाने की तैयारी कर रही हैं।
- अमेरिका, भारत के फार्मा उद्योग का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल फार्मा एक्सपोर्ट का 31 प्रतिशत अमेरिका को हुआ था और इस वर्ष 2025 की पहली छमाही में 3.7 अरब डॉलर का फार्मा निर्यात हो चुका है।
- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले की जानकारी दी, साथ ही किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटीज़ और फर्नीचर पर भी टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की।
- ट्रंप टैरिफ वृद्धि का कोई वैध कारण नहीं बता सके, पर उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा के लिए टैक्स वृद्धि जरुरी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की कि 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ (शुल्क) लगाया जाएगा। भारत की फार्मास्यूटिकल्स (दवा) इंडस्ट्री, जो अमेरिका के साथ व्यापार पर अत्यधिक निर्भर है, इस फैसले से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

ट्रंप ने "टुथ सोशल' पर कहा, "1 अक्टूबर 2025 से, हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल उत्पाद पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जब तक कि संबंधित कंपनी अमेरिका में अपनी फार्मा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का निर्माण नहीं कर रही हो।

ट्रंप की यह पोस्ट स्पष्ट करती है कि अगस्त में शुरु किए गए ट्रेड फ्रेमवर्क्स और आयात करों के बावजूद उनकी टैरिफ नीति जारी है। उनका मानना है कि इन टैक्सों से सरकार का बजट घाटा कम होगा और घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया: "इज़ बिल्डिंग" की परिभाषा होगी, निर्माण कार्य शुरू करना या निर्माणाधीन होना। यदि निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, तो ऐसे फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगेगा। इस विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

ट्रंप की इस टैरिफ नीति के तहत अन्य उत्पादों पर भी शुल्क लगाया गया है, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम वैनिटीज़ पर 50 प्रतिशत शुल्क, तैयार फर्नीचर पर 30 प्रतिशत, भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत शुल्क, हालांकि ट्रंप ने इन टैरिफों के लिए कोई कानूनी आधार नहीं बताया, उन्होंने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कहा कि ये टैक्स "राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों" से आवश्यक हैं।

अमेरिका भारत के फार्मास्यूटिकल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल 27.9 बिलियन (लगभग 2.47 लाख करोड़) मूल्य के दवा निर्यात में से 31 प्रतिशत या 8.7 बिलियन डॉलर (77,138 करोड़) अमेरिका को भेजे गए थे। वहीं 2025 के पहले 6 महीनों में ही भारत ने अमेरिका को 3.7 बिलियन डॉलर (32,505 करोड़) के फार्मा उत्पाद भेजे हैं

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में उपयोग होने वाली 45 प्रतिशत से अधिक जैनरिक और 15 प्रतिशत बायोसिमिलर दवाएं भारत से भेजी जाती हैं। रेड्डीज़, ऑरबिंदो फार्मा, ज़ायडस लाइफसाइंसेज, सन फार्मा और ग्लैंड फार्मा जैसी कंपनियां अपनी कुल आय का 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अमेरिकी बाजार से कमाती हैं। हालांकि नई अमेरिकी टैरिफ नीति मुख्यतः बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बनाए गए ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं को लक्ष्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस एस.पी. शर्मा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने

जयपुर, 26 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया कि 27 सितंबर को मौजूदा सीजे केआर

- जस्टिस शर्मा का रिटायरमैंट 26 सितंबर 2026 को होगा।

श्रीराम के सेवानिवृत्त होने के कारण जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

जस्टिस एसपी शर्मा का जन्म 27 सितंबर, 1964 को हुआ था। एलएलबी करने के बाद उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत करना आरंभ किया। उन्हें 16 नवंबर, 2016 को हाईकोर्ट में वकील कोटे से न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद जनवरी, 2022 में पटना हाईकोर्ट में उनका तबादला किया गया। जहां से इन्हें पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट भेजा गया। इसके बाद गत 14 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दशकों से अमेरिका आयातित "ड्रग्स" पर निर्भर है

इस निर्भरता का रातों-रात अमेरिका में प्रोडक्शन नहीं विकसित किया जा सकता

- इसीलिए, ट्रंप द्वारा फार्मास्युटिकल्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा में कई "रास्ते" (लूप होल्स) छोड़े गये हैं। उदाहरण के लिए, जो फार्मास्युटिकल कंपनी अमेरिका में अपनी "प्रोडक्शन यूनिट" लगाने का प्रस्ताव रखती है, उन पर टैरिफ कम लगेगा।
- साथ ही, 100 प्रतिशत टैरिफ सभी "जैनरिक दवाइयों" (मूल दवा) पर नहीं लगेगा, बल्कि फार्मास्युटिकल कंपनी के "पेटेन्टैड प्रोडक्ट्स" पर ही लगेगा।
- विदेशी कंपनियों को अमेरिका में प्रोडक्ट्स की सुविधा लगाने की नीति का यूरोप व इंगलैंड पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। उदाहरण के लिए, जानी मानी ड्रग्स कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम सालों से इंगलैंड में जमी हुई थी, पर वह अपना एक्सपैंशन इंगलैंड में नहीं, बल्कि अमेरिका में शिफ्ट कर रही है।
- इसी प्रकार किचन कैबिनेट आदि फर्नीचर के पुराने व प्रतिष्ठित निर्माता, स्वीडन की कंपनियों को भारी नुकसान की आशंका है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए बड़ा, शायद सबसे बड़ा ग्राहक है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। जैसा कि पहले से चेतावनी दे रहे थे, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कुछ चुनिंदा उत्पादों पर नया टैरिफ (आयात शुल्क) लगा दिया है। इस बार के टैरिफ पहले के मुकाबले अलग हैं, क्योंकि ये खास उद्योगों पर केन्द्रित हैं।

ट्रम्प ने दवाओं, ट्रकों, किचन कैबिनेट्स और फ़र्नीचर पर टैरिफ लगाया है। इनमें से दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को दवाओं का प्रमुख निर्यातक है। यह कदम अमेरिका के लिए भी उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि टैरिफ के कारण दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

उद्योग संघों और व्यापार संगठनों को डर है कि एक अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए टैरिफ के कारण मरीजों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका लंबे समय से दवाओं और अन्य मैडिकल केयर उत्पादों के आयात पर निर्भर रहा है। अब रातों-रात घरेलू उत्पादन इनकी जगह नहीं ले सकते।

ट्रम्प ने नए टैरिफ को भविष्य की निवेश योजनाओं से जोड़कर तय किया है। जो कंपनियाँ अमेरिका में बड़े निवेश की योजना बनाएँगी, उन्हें कम या बिल्कुल टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। इन निर्णय का सीधा मकसद कंपनियों को अपने पुराने देशों से निकलकर अमेरिका में आकर निवेश करने के लिए लुभाने का प्रयास है

पूर्व में ऐसे तरीकों को प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएँ, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, अनुचित और अस्वीकार्य मानती थीं। अब वही अमेरिका इस तरह की भेदभावपूर्ण नीतियों को खुले तौर पर अपना रहा है।

दवाओं पर यह टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाएँ और ऐसा कच्चा माल भी भेजता है, जिससे अन्य दवाएँ तैयार होती हैं।

हालाँकि थोड़ी राहत यह है कि टैरिफ का दायरा कुछ सीमित रखा गया है। यह टैरिफ विशुद्ध रूप से जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे माल पर लागू नहीं है। इससे मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों की ब्रांडेड दवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। अमेरिका में दवा कंपनियों द्वारा प्रस्तावित निवेश के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रॉनल्ड रीगन के फॉर्मूले को दोहरा रहे हैं मोदी

पूर्व राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने सेल्स टैक्स में भारी कटौती कर जनता को काफी रकम उपलब्ध कराई, खर्चा करने के लिए

- इससे उस समय अमेरिका में "डिमांड" में भारी वृद्धि हुई, जिससे प्रोडक्शन बढ़ा और इन्वैस्टमैंट बढ़ा इण्डस्ट्री में।
- मोदी ने भी 12 लाख करोड़ रूपए की आय को इनकम टैक्स फ्री करके जनता के हाथ में पैसा दिया तथा जीएसटी भी कम किया, जिससे रोजमर्रा के काम आने वाली चीजों की कीमत भी काफी घटी।
- इसके साथ, अमेरिका द्वारा खड़ी की गई टैरिफ की दीवार के कारण, अमेरिका के मार्केट के लिए बनी वस्तुएं आगे नहीं खिसक रही थीं तथा कारखानों के गोदामों में फिनिश्ड गुड्स भरे हुए थे। अतः कंपनियों को भारी मदद मिली, अपने रूके हुए सामान से भारत के डॉमेस्टिक बाज़ार की "डिमांड" पूरी करने में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। सरकार यह दिखाना चाहती है कि वह जनता के हित में काम कर रही है और लाभ लोगों को दे रही है। यही सरकार पहले ही आयकर में 12 लाख रुपये सालाना तक की छूट देकर जनता को बड़ा तोहफ़ा दे चुकी है। इन दोनों रियायतें को मिलाकर लोगों के हाथों में लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये बचेंगे और यह लाभ त्योहार के इस सीज़न में उनकी खरीददारी की क्षमता बढ़ाएगा। यह कोई नया आर्थिक प्रयोग नहीं, बल्कि जानी मानी आर्थिक रणनीति है, जिसे पहले भी कई बार आज़माया जा चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने बड़े पैमाने पर टैक्स कटौती की थी और उम्मीद की थी कि लोगों के हाथ में ज़्यादा पैसा रहने से मांग बढ़ेगी और पूरी अर्थव्यवस्था में निवेश व उत्पादन का चक्र तेज़ होगा। यह प्रयोग अमेरिका में सफल रहा और मांग, उत्पादन और निवेश का सकारात्मक चक्र बना।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनमोहन सिंह के नाम पर कांग्रेस मुख्यालय में पुस्तकालय खुला

नयी दिल्ली, 26 सितबर। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय का उद्घाटन

- सोनिया गांधी और खड़गे ने अनुसंधान केन्द्र व पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

किया। इसका नाम डॉ. मनमोहन सिंह अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय रखा गया है। यह केन्द्र कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थापित किया गया है। इस केन्द्र पर डॉ. सिंह की पुस्तकें, उनके लेख और भाषणों के संकलन रखे गये हैं।

इस मौके पर डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान ने फिर दोहराया, ट्रंप ने रूकवाया था भारत-पाक युद्ध

पाक प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा पर जारी अधिकृत बयान में पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे का समर्थन किया

- पाकिस्तानी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक सीज़फायर करवाने के लिए ट्रंप के साहसिक व निर्णायक नेतृत्व की प्रशंसा की। यह बात एक तरह से पाकिस्तान की स्वीकारोक्ति है कि ट्रंप ने सीज़फायर करवाया था।
- हालांकि, भारत ने बार-बार कहा है कि सीज़फायर में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है। भारत ने कहा कि 22 अप्रैल (पहलगाम) अटैक से लेकर 17 जून (सीज़फायर घोषणा) तक ट्रंप और मोदी के बीच फोन पर कोई बात नहीं हुई थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या पाकिस्तान ने यह स्वीकार कर लिया है कि अमेरिका ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के साथ संघर्षविराम सुनिश्चित करने में उसकी मदद की थी? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत के विवरण से संकेत मिलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने संघर्षविराम शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत ने कई बार इन दावों का खंडन किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उस संघर्षविराम में कोई भूमिका निभाई थी, जो अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे) के बाद, पाकिस्तान में आतंकी और सैन्य ढांचे पर की गई एयरस्ट्राइक्स के बाद लागू हुआ था।

लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी पाकिस्तान के नेताओं की तरह ही दावा किया है कि वे भी एक कारण रहे थे, जिसकी वजह से दोनों परमाणु-शक्ति संपन्न पड़ोसी देश संघर्षविराम पर सहमत हुए और तनाव को बढ़ने से रोका गया। पाकिस्तानी बयान में कहा गया: "प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने आज ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान-भारत संघर्षविराम को सुविधाजनक बनाने में राष्ट्रपति ट्रंप के साहसिक, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और गाज़ा में संघर्ष को तुरंत समाप्त करने तथा मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के प्रयासों के तहत, मुस्लिम जगत के प्रमुख नेताओं को आमंत्रित करने की उनकी पहल की प्रशंसा की।"

बयान में आगे कहा गया: "नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश को आमंत्रित किया और सुरक्षा तथा खुफिया सहयोग को और बढ़ाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस सौमेन सेन मेघायलय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली, 26 सितबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

- वे वर्तमान में कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी गई।

अधिसूचना में कहा गया है, "राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।"

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना काम काज "ऑफिस सुईट ज़ोहो" पर शिफ्ट किया

जैसा कि विदित ही है, ज़ोहो कॉर्पोरेशन एक भारतीय बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिक है, जो कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और वैब आधारित बिज़नेस सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स बनाती है

- भारत सरकार की विदेशी, अमेरिकी आदि कंपनियों पर निर्भरता कम करने की दृष्टि से "स्वदेशी टैक्नॉलजी को देश में पनपाने की मुहिम ही शायद एक रास्ता है, विदेशी सरकारों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल से मुक्त होने का।
- पर, इस मुहिम की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि भारत की जनता इन स्वदेशी टैक्नॉलजी वाली कंपनियों के प्रोडक्ट्स को कितनी जल्दी और तत्परता से अपनाती है।
- "स्वदेशी टैक" को भी जनता तभी स्वीकार करेगी, जब ये प्रोडक्ट्स, विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुकाबले कमज़ोर साबित न हों।
- ऐसे प्रोडक्ट बनाने के लिए, लगातार आर. एण्ड डी. पर भारी खर्च करना होगा तथा भारतीय कामगारों में "स्किल" (हुनर) भी किसी अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में पोचा न पड़े तथा सरकार की नीतियों का पूर्ण सहयोग व प्रोत्साहन मिले इस "स्वदेशी टैक" को।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह अपील कि भारतीय लोग "स्वदेशी टैक" को अपनाएँ, तकनीक में आत्मनिर्भरता की बहस को दोबारा तेज कर रही है। आत्मनिर्भर भारत की बड़ी सोच के हिस्से के रूप में पेश की गई यह पहल विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करने और भारत को नवाचार का वैश्विक केन्द्र बनाने का लक्ष्य रखती है।

स्वदेशी टैक का यह प्रयोग पूरे देश में एक जन आंदोलन बनेगा या सिर्फ प्रतीकात्मक कदम रह जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि चुनौतियों को कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से निपटाया जाता है। केवल नीतिगत मदद, नवाचार और बाज़ार में स्वीकार्यता का मेल ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि स्वदेशी टैक भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का ठोस आधार बने।

सरकार ने इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत कदमों के साथ प्रतीकात्मक काम भी किए हैं। केन्द्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भारतीय ऑफिस सॉफ़्टवेयर सूट ज़ोहो का उपयोग शुरु करना घरेलू विकल्पों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण मिसाल है। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ की राष्ट्रीय मुहिम मोदी की अपील को जन आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है। इसी बीच, मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी योजनाएँ स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को घरेलू तकनीकी समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन और इन्फ्रस्ट्रक्चर सम्बंधी मदद दे रही हैं।

भारत के पास स्वदेशी टैक के सपने को पूरा करने की मजबूत नींव मौजूद है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल की याचिका खारिज की

प्रयागराज, 26 सितंबर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सिख समुदाय से जुड़े विवादित बयान को लेकर दायर निगरानी याचिका के

- राहुल गांधी ने सिख सम्बंधी विवादित बयान पर एमपी-एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश समीर जैन की अदालत ने इस मामले में सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद तीन सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, जिस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिश्वत लेने के आरोपी इनकम टैक्स के दो अधिकारियों को चार-चार साल की सजा

पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को सीबीआई ने मार्च 2015 में रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा था

- सीबीआई मामलात की अदालत ने 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया
- सीबीआई मामलात की अदालत ने बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी किया

जोधपुर, (कासं)। सीबीआई मामलात की अदालत ने पंद्रह लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में इनकम टैक्स विभाग के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को चार-चार साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने दोनों पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल सीबीआई कोर्ट के जज भूपेंद्र सनाढ्य ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। वहीं बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी कर दिया।

जानकारी के अनुसार मामला 31 मार्च 2015 का है। बाड़मेर के व्यापारी की शिकायत के बाद पवन कुमार शर्मा, शैलेंद्र भंडारी और ज्वेलर चंद्रप्रकाश कट्टा को गिरफ्तार किया गया था। बाड़मेर के व्यापारी किशोर जैन ने सीबीआई को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि आयकर विभाग ने उसकी टैक्स देनदारी को मूल 2.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 12 करोड़ रुपए कर दिया था। इस मामले को निपटाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने शुरुआत में 25 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के बाद 23 लाख रुपए तय हुई। किशोर जैन की शिकायत के बाद सीबीआई ने ट्रैप ऑपरेशन की योजना बनाई। तब 31 मार्च 2015 को जौहरी चंद्रप्रकाश कट्टा के शोरूम पर शैलेंद्र भंडारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। यह रकम मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा की तरफ से ली जा रही थी। इस ऑपरेशन में सीबीआई ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की जांच में हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। पवन कुमार शर्मा के पास जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बेंगलुरु में कुल 400 करोड़ रुपए की संपत्ति होने का पता चला। इनमें बंगले और फार्म हाउस शामिल थे। इन्हें लग्जरी फर्नीचर और बेशकीमती सामान से सजाया गया था, जिनकी कीमत भी करोड़ों रुपए में थी। बंगलों के हर कमरे में 18-18 हजार रुपए के डिजाइनर पंखे लगे थे। पवन कुमार को चांदी के कप में चाय पीने और सोने के चम्मच का इस्तेमाल करने का शौक था। उसके घर से 50 बोतल महंगी विदेशी शराब भी बरामद हुई थी। सीबीआई ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप था कि विभाग के अफसरों ने किशोर जैन से उसकी कंपनी के वर्ष 2012-13 के आयकर असेसमेंट को सुलझाने के लिए 23 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

गौरतलब है कि व्यापारी किशोर जैन के यहां बाड़मेर के असिस्टेंट कमिश्नर ने आयकर सर्वे कराया था। गलत ढंग से पांच करोड़ रुपए डिमांड निकाल दी। जॉइंट कमिश्नर जय सिंह से शिकायत की तो उन्होंने उल्टा व्यापारी और उसके क्लाइंट के खाते सीज करा दिए थे।

व्यापारी ने कमिश्नर अपील में मामला उठाया था। फैसला उसी के पक्ष में आया था। इसके बावजूद आयकर अधिकारियों ने कारोबारी के खाते नहीं खुलने दिए थे। लगातार चीफ कमिश्नर से मिलने का दबाव बनाया गया था। व्यापारी जोधपुर में तत्कालीन आयकर अधिकारी और चीफ कमिश्नर से मिला था। उससे 25 लाख रुपए घूस मांगी थी, जिसमें 23 लाख रुपए देना तय हुआ। अधिकारियों ने पैसा बिचौलिए ज्वेलर के यहां पहुंचाने को कहा था। इसके बाद व्यापारी ने मामला सीबीआई तक पहुंचाया था। इस मामले की जांच सीबीआई ने बारीकी से की थी, जिसमें यह साबित हुआ कि दोनों अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्वेलर्स से अवैध राशि ली। अदालत ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें चार-चार साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। मामले में बिचौलिए ज्वेलर्स चंद्रप्रकाश कट्टा को दोषमुक्त कर दिया गया है। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पीके शर्मा और शैलेंद्र भंडारी ने भ्रष्टाचार के जघन्य कृत्य किए, जो सार्वजनिक विश्वास के लिए गंभीर चोट हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर सख्ती आवश्यक है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फलोदी पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि गत 18 सितंबर को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके दूर के रिश्तेदारों ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसकी अश्लील तस्वीरें खींचकर वायरल करने की धमकी दी गई और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विशेष टीम गठित की। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अचलाराम और कालुराम को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या का आरोपी पुत्र गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ पुलिस ने गत 19 सितंबर को आपसी कहासुनी के बाद पिता की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि पिता और पुत्र के बीच छोटी सी बात पर विवाद हुआ था। तैश में आकर श्रवण ने अपने पिता रूपाराम मेघवाल पर लाठी से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद वह घटना छुपाकर कमरे में बंद हो गया। अगले दिन बीस सितंबर को वह पत्नी की चतुर्थ श्रेणी परीक्षा दिलाने जोधपुर गया और फिर ससुराल फलसूंड चला गया। फिर 22 सितंबर को वापस शेरगढ़ लौटने पर पिता के बारे में पूछताछ होने पर वह घबराया और फलसूंड चला गया।

कोठारी बांध में महिला की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के नंदराय क्षेत्र में कोठारी नदी पर बने कोठारी बांध में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया, बाद में महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर कोटड़ी व बिगोद थाना पुलिस मुख्य पर पहुंची। बताया जा रहा है कि महिला का शव करीब 5 से 6 दिन पुराना हो सकता है। मौके पर पहुंची शव को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। सहायक उप निरीक्षक कैलाश प्रजापत ने बताया कि महिला के शव को बांध के पानी से बाहर निकाल कर शिनाख्त का प्रयास किया जाएगा। लाश मिलने की खबर क्षेत्र में फैलने से आसपास से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ बांध पर जमा हो गई।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/5953 दिनांक 23.09.2025

-: ई-निविदा 11/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्यो की कुल लागत 15.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

1. DLB2526WSOB19444

Bid Selling Last Date	06-10-2025/10.00am

राज.संवाद/सी/25/10971 प्रशासक नगरपालिका, सुमेरपुर अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुमेरपुर

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक:- 186 दिनांक:- 18.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगरपालिका सूरौठ में निर्माण कार्य/विकास कार्य के लिए आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगमों/ नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्सता प्राप्त पंजीकृत संवेदको, प्लेसमेंट एजेन्सी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजसथान सरकार के एए.ए.बी. श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो,से कार्यो हेतू ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN NO. DLB2526WSOB19328

राज.संवाद/सी/25/10853 अध्यक्ष नगर पालिका सूरौठ अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

पिकअप-ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में बालिका की मौत, 21 जने घायल

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके के नेशनल हाइवे नंबर-27 पर पिकअप चालक ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी ट्रॉली पलटा खा गई, जिसके नीचे दबने से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार बालिका की मौत हो गई एवं 21 जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार माली समाज के लोग कोटा के चारगांव, डाबर बमोरी व अन्य गांव से देवताओं की रसोई लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से झालावाड़ के मऊ महाराज जा रहे थे, तभी सीमलिया थाना इलाके में चींसा के पास भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में घायलों को कोटा के एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां घायल बालिका ने दम तोड़ दिया। सीमलिया थानाधिकारी सुरेश शर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली में 35 से 40 व्यक्ति बैठे थे, यह नेशनल हाइवे-27 पर गढ़ेपान से बारां रोड की तरफ जा रही थी। पीछे से आई पिकअप ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। जिससे ट्रॉली पलट गई और सवारियां दब गई। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने सवारियां निकाली और एंबुलेंस से कोटा के एमबीएस अस्पताल भेजा। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में डाबर बमोरी निवासी 11 वर्षीय रश्मि पुत्री शुभकरण माली की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद पिकअप को डिटेन कर लिया है। मौके से पिकअप चालक फरार हो गया। मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश जारी है। हादसे में पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार घायलों में कन्हैया लाल, बाबूलाल, सुगना बाई, मनभर, शिवनंदन, बद्री लाल, कुंज बिहारी, चेतन, विशाल, विहान, दिव्यांशी, विमला बाई, सीता, निशा, लक्ष्मी, विमला, राजेश व मिष्ठी है।

ट्रक वालों से ठगी मामले में नकली सेल्स ऑफिसर गिरफ्तार

आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है, इस समय आरोपी की मां सरपंच है

- आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे पर ट्रक वालों को शिकार बनाता था, आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर दर्ज करवाई थी
- आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था, आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था
- मामले को लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर थाना पुलिस ने एक नकली सेल्स ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी की मां सरपंच है। आरोपी आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर सेल्स टैक्स ऑफिसर बनकर ट्रक वालों से ठगी करता था।

आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर करवाई है। आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था। आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था। जब आरोपी से पूछा गया कि वह किस विभाग से है तो, वह तरह-तरह के बहाने बनाता नजर आ रहा है। दो दिन पहले आरोपी का वीडियो सामने आया था। ग्रामीण सीओ आकांशा चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले एक वीडियो सामने आया था। वह वीडियो मलाह गांव इलाके का था। जिसमें आरोपी महावीर यादव निवासी गुरिया थाना जुरहरा जिला डीग ट्रक वालों से ठगी कर रहा था तो, उसे कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया। वीडियो में ट्रक वाले महावीर से पूछ रहे हैं वह किस विभाग से है, जिस पर महावीर तरह-तरह के बनाते नजर आ रहा है। बाद में महावीर मौका पाते ही अपनी कार लेकर वहां से फरार हो जाता है। वीडियो पर तुरंत संज्ञान लेते ही पुलिस मामले की जांच में लगी। इसके साथ ही आज एक ट्रक ड्राइवर राहुल शर्मा ने आरोपी के खिलाफ एक्सटॉर्शन का मामला दर्ज करवाया, जिसके बाद पुलिस ने मामले पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिससे यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है और वह किस तरह से ठगी करता था। जांच में यह सामने आया है कि आरोपी गुरिया गांव से सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी महावीर की मां फूलवती सरपंच है।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2627-29 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24.09.2025 से दिनांक 06.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 07.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code-DLB2526A6325

UBN:-DLB2526WSOB19476, DLB2526WSOB19479, DLB2526WSOB19483

राज.संवाद/सी/25/10927 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2665-67 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 25.09.2025 से दिनांक 07.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 08.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code-DLB2526A6333

UBN:- DLB2526WSOB19492, DLB2526WSOB19493, DLB2526WSOB19494, DLB2526WSOB19495, DLB2526WSOB19496, DLB2526WSOB19498, DLB2526WSOB19499, DLB2526WSOB19500, DLB2526WSOB19502, DLB2526WSOB19503, DLB2526WSOB19504, DLB2526WSOB19505, DLB2526WSOB19506, DLB2526WSOB19507, DLB2526WSOB19508, DLB2526WSOB19509

राज.संवाद/सी/25/10929 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग लगी, एक चालक जिंदा जला

बीकानेर, (निसं)। यहां भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर दो ट्रकों में टक्कर के बाद आग लग गई। इसमें एक ट्रक का ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा लूणकरणसर के कालू थान क्षेत्र का है। हादसे में ड्राइवर केबिन में फंस गया था, जिसकी वजह से वह जिंदा जल गया।

कालू थानाधिकारी धर्मवीर ने बताया कि भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर मनाड कोलाययत निवासी पेमाराम साइड में ट्रक लेकर खड़ा था। इस दौरान पीछे से आया खियेरा निवासी ओमप्रकाश स्पीड में आया और पेमाराम के ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रक में आग लग गई। थाना अधिकारी ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद ओमप्रकाश केबिन में फंस गया। इस दौरान उसने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन वह बाहर नहीं आ पाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से ओमप्रकाश का शव बाहर निकाला। वहीं पेमाराम को लूणकरणसर हॉस्पिटल लाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 950 Date: 18.09.2025

Notice Inviting Bid

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00, 15.00 Cr. NP/ML Road Work" NIT No. 11/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 06.10.2025. Other Particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 289.41 lacs.

UBN NO. 1. PWD2526WSOB12647, 2. PWD2526WSOB12648, 3. PWD2526WSOB12651, 4. PWD2526WSOB12652, 5. PWD2526WSOB12654, 6. PWD2526WSOB12655, 7. PWD2526WSOB12658

(Laxmi Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Mangrol

DIPR/C/14076/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1820-37 दिनांक-23.09.2025

Notice Inviting Bid: 37-38/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 06.10.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 133.16 Lacs and maximum value of single work in this procurement is 78.53 Lac.

NIT NO.	37	38
UBN NO.	PHE2526WSOB06931	PHE2526WSOB06932

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/14006/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांक-3070-79 दिनांक-16.09.2025

निविदा सूचना संख्या-23/2025-26 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सड़क/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए", एवं "एए" "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट www.diproline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE: PWD2526A3340, 1. PWD2526WSOB12466, 2. PWD2526WSOB12469, 3. PWD2526WSOB12473, 4. PWD2526WSOB12476, 5. PWD2526WSOB12477, 6. PWD2526WSOB12478

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई

DIPR/C/13997/2025

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013

E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6217 दिनांक :- 24/09/2025

ई - बिड सूचना संख्या 34-I-II-III/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तो आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

(UBN No.:- ITB2526WSOB00220-27)

राज.संवाद/सी/25/10902 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका टोडाभीम जिला-करौली (राज.)

क्रमांक/नपाटो/2025-26/1262 दिनांक:-20.09.2025

निविदा सूचना

पालिका टोडाभीम में कार्य की निविदा NIB CODE- DLB2526A6260 यूबीएन नं. DLB2526WSOB19331, DLB2526WSOB19332, DLB2526WSOB19333, DLB2526WSOB19334, DLB2526WSOB19336, DLB2526WSOB19337, DLB2526WSOB19338, DLB2526WSOB19339, DLB2526WSOB19340, DLB2526WSOB19342 आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10864 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका टोडाभीम

1300 प्रिंसिपल का बिना आवेदन ट्रांसफर किया, देने होंगे भत्ते

- अगर किसी प्रिंसिपल का सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है

बीकानेर, (निसं)। जयपुर सहित राज्यभर के सैकड़ों टीचर्स को दो सौ से पांच सौ किलोमीटर लंबी दूरी तय करके अब नए स्थान पर काम करना होगा। ये किसी के लिए सजा साबित हुई है तो किसी के लिए राहत भरा आदेश है। जानकारी के अनुसार विभाग को उन टीचर्स को यात्रा सहित अन्य भत्ते देने पड़ रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन ही नहीं किया था। ऐसे प्रिंसिपल को हटाकर डिजायर वाले प्रिंसिपल को लगाया गया है। इस तबादला आदेश में राजस्थान के उन जिलों से भी प्रिंसिपल हट गए हैं, जहां से आमतौर पर ट्रांसफर अन्य जिलों में नहीं होते। डार्क जोन कहे जाने वाले पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पोस्टिंग करवाने के बाद प्रिंसिपल सहित अन्य टीचर्स वापस अपने गृह जिलों में चले जाते हैं। ऐसे में यहां पद फिर से रिक्त रह जाते हैं। इनमें जैसलमेर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, जालौर, सिरोही, बीकानेर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां और झालावाड़ है। यहां से बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को फिर से उनके गृह जिलों में भेज दिया गया है, जिससे सीमावर्ती जिलों में स्कूल फिर से खाली हो गए।

जैसलमेर में कुल 96 प्रिंसिपल के ट्रांसफर हुए। इससे यहां 11 स्कूलों में अब प्रिंसिपल नहीं रहे। दरअसल, जैसलमेर से जैसलमेर में तो महज बीस ही ट्रांसफर हुए हैं। शेष 74 प्रिंसिपल को जैसलमेर से अन्यत्र भेज दिया गया। सिफारिश और डिजायर के आधार पर ये प्रिंसिपल अपने-अपने गृह जिलों में चले गए। वहीं अन्य जिलों से जैसलमेर में भी तबादले हुए। इससे ये संख्या बढ़कर 85 तक पहुंची, लेकिन 11 स्कूल फिर भी बिना प्रिंसिपल के रह गए। कमोबेश ऐसे ही हालात अन्य जिलों के भी है।

बांसवाड़ा को इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। यहां से 72 प्रिंसिपल का ट्रांसफर हुआ लेकिन 79 की पोस्टिंग हुई। 92 में से 53 को तो बांसवाड़ा से बांसवाड़ा में ही इधर-उधर किया गया था। वहीं अन्य जिलों से भी 39 प्रिंसिपल को बांसवाड़ा में लगाया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर से तीन प्रिंसिपल का ट्रांसफर साढ़े छह सौ किलोमीटर दूर बांसवाड़ा में किया गया है। कभी डार्क जोन में रहे बाड़मेर को भी इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। दरअसल, यहां से 102 प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए गए हैं, जिसमें 37 को बाड़मेर में ही लगाया गया, लेकिन 65 प्रिंसिपल बाडमेर छोड़ अपने गृह जिलों में या फिर सुविधाजनक जिलों में चले गए। वहीं बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को अन्य जिलों से बाड़मेर भेजा गया है। इसमें सर्वाधिक नागौर से बीस प्रिंसिपल साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर बाड़मेर भेजे गए हैं। चार प्रिंसिपल को तो अलवर से बाड़मेर भेजा गया है। दोनों जिलों के बीच सात सौ किलोमीटर की दूरी है। करीब चार सौ किलोमीटर दूर अजमेर से भी सात प्रिंसिपल को बाड़मेर भेजा गया है।

अगर किसी प्रिंसिपल को सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है। ऐसे प्रिंसिपल को नए पोस्टिंग स्थल पर जाने के लिए दस दिन की छुट्टी के रुपए, चार जनों के टिकट, करीब बीस हजार रुपए ट्रक ट्रांसपोर्ट के रुपए देने पड़ते हैं। इनके अलावा भी कई छोटे बड़े खर्च को मिलाकर एक लाख रुपए का सरकार को भुगतान करना पड़ता है।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201

ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-इकाई कार्यालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र ईपीआईपी, सीतापुरा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ चरण एवं संस्थानिक क्षेत्र व विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रथम एवं द्वितीय, रामचन्द्रपुरा, प्रहलादपुरा एवं आवासीय कॉलोनी में नियमित रख-रखाव एवं संधारण का कार्य। RDC2526WLOB00988(1017.88), RDC2526WSOB00990(1.76), RDC2526WSOB00992(1.76), RDC2526WSOB00993(1.87), अजमेर-नए औद्योगिक क्षेत्र केकड़ी विस्तार में विकास के कार्य। RDC2526WLOB01013(578.07), किशनगढ़-RDC2526WSOB01012(289.41), नीमराना-RDC2526WSOB00987(4.66), RDC2526WSOB00989(5.09), RDC2526WSOB00991(15.11), भरतपुर-RDC2526WSOB01003(446.91), दौसा-RDC2526WSOB00964(246.58), RDC2526WSOB00963(115.24), RDC2526WSOB00995(8.29), कोटा-RDC2526WSRC01004(415.48), RDC2526WSRC01005(2.46), RDC2526WSOB00996(1.91), RDC2526WSOB00999(15.66), RDC2526WSOB01002(11.67), जयपुर(दक्षिण)-RDC2526WSRC00961(4.95), बोरानाडा-RDC2526WSOB00962(46.13), RDC2526WSOB00966(99.55), अलवर-RDC2526WSOB00977(1.99), RDC2526WSOB00978(1.75), RDC2526WSOB00979(1.72), पाली-RDC2526WSOB00967(6.53), RDC2526WSOB00969(7.27), RDC2526WSOB00971(4.90), RDC2526WSOB00972(8.87), RDC2526WSOB00973(3.75), RDC2526WSOB00974(7.77), RDC2526WSOB00975(13.43), RDC2526WSOB00976(42.68), जोधपुर- RDC2526WSOB00980(7.00), बांसवाड़ा-RDC2526WSOB00985(6.41), जयपुर(उत्तर)- RDC2526WSOB00981(15.83), RDC2526WSOB00982(49.85), RDC2526WSOB00983(3.84), RDC2526WSOB00984(19.01), RDC2526WSOB00986(1.90), श्रीगंगानगर-RDC2526WSOB00994 (5.53), भिवाड़ी(प्रथम)-RDC2526WSOB00997(10.23), RDC2526WSOB00998(3.11), RDC2526WSOB01000(24.53), RDC2526WSOB01001(7.70), नागौर-RDC2526WSOB01006(1.88), RDC2526WSOB01008(1.68), RDC2526WSOB01009(1.91), RDC2526WSOB01010(1.49), भिवाड़ी(द्वितीय)-RDC2526WSOB01011(98.50)

कुल कार्यों की संख्या-49

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243

Raj.Samwad/C/25/10962

भतीजे से यौन-उत्पीड़न के आरोप में चाची गिरफ्तार

नाबालिग बात नहीं मान रहा था तो रेप केस किया, पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली

बीकानेर, (निसं)। यहां एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने चाची को नाबालिग भतीजे से यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आरोपी महिला ने जिले के नाल थाना में नाबालिग के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया। पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नापासर थाना में नाबालिग के मां-बाप ने यौन-उत्पीड़न का केस दर्ज कराया। जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार ने बताया कि 24 वर्षीय शादीशुदा महिला नाबालिग का देह शोषण करती थी। कुछ समय बाद नाबालिग उसके पास जाने से इनकार करने लगा। इस बात से नाराज आरोपी ने उसे धमकाने-डराने के लिए रेप केस कर दिया। जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नाबालिग के परिवार ने नाल थाने महिला के खिलाफ केस दर्ज कराया। उन्होंने यौन उत्पीड़न के साथ नाबालिग के रुपए-मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में महिला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला और नाबालिग रिश्ते में चाची-भतीजा है।

चोरी का ट्रेलर जब्त, दो जने गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के सुपरविजन में अरविन्द कुमार वृत्ताधिकारी पीपलू व बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह द्वारा गठित टीम ने थाना में दर्ज प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ व निशानदेही के बाद चोरी किये गये एक ट्रेलर को कोटा जिले की बोर्डर पर गरोठ रोड दिल्ली मुम्बई हाईवे के नीचे से बरामद किया गया। इस दौरान गिरफ्तार किये गये दो आरोपी आशाराम पुत्र मिश्रीलाल गुर्जर व देवराज पुत्र श्रीराम गुर्जर दोनों निवासी जैबाडिया थाना बरोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org

क्रमांक:- राजस्व/2025-26/829 दिनांक:- 22.09.2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या ई-04/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला-2025 में दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक नगर निगम टाउन हॉल परिसर उदयपुर मे आयोजित किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु संलग्न आवेदन पत्र व कार्यक्रम विवरण अनुसार अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रारम्भ तिथि 23.09.2025 एवं अंतिम तिथि 30.09.2025 तथा निविदा खुलने की तिथि 01.10.2025 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

UBN No. UNP2526SLOB00091

निविदा के कार्य	3 कार्य
निविदा की अनुमानित राशि	75.00 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	23.09.2025 प्रातः 10.00 बजे
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा करने की अंतिम दिनांक	30.09.2025 सायं 06.55 बजे
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	01.10.2025 दोपहर 12:00 बजे

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन का विवरण

नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला 2025 दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक आयोजित किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.स.	दिनांक	कार्यक्रम	अनुमानित राशि (लाखों में)
1	13.10.2025	स्वर और विरासत	45.00
2	14.10.2025	रंग, रोशनी व राग	15.00
3	15.10.2025	भक्ति वंदना	15.00

राज.संवाद/सी/25/10888 आयुक्त नगर निगम, उदयपुर

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा टोंक बस स्टैंड पर पहुंचे, गंदगी देख नाराजगी जताई

उपमुख्यमंत्री सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए और परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा

टोंक, (निसं)। रोडवेज बस स्टैण्ड पर शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब उपमुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा आये और रोडवेज बस कंडक्टर से से पूछा कि बस में कितनी सवारियां हैं, इस पर कंडक्टर उन्हें हैरानी से देखने लगा। बाद में वहां मौजूद लोगों ने कहा यह उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा है, यह सुनते ही कंडक्टर ने तुरंत प्रेमचंद बैरवा के पैर पकड़ लिये।

जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री बैरवा बांसवाड़ा से जयपुर आ रहे थे, तभी अचानक टोंक रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंचे और पास में ही खड़ी सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए। इस दौरान परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा तो कंडक्टर शिवदास मीणा उनको देखने लगे बाद जानकारी मिलने पर परिचालक ने पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर प्रबंधक को बुलाया और फटकार लगाई। बाद में खुद उन्होंने झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी। इस पर उन्होंने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं लोगों की समस्या सुनकर बंद पड़े बुकिंग विंडो को चालू करने के भी निर्देश दिए।

इस दौरान डिपो मैनेजर पवन मीणा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अचानक निरीक्षण करने पहुंचे थे। सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, फिलहाल विंडो स्टाफ की कमी से बंद है, जल्द ही मुख्यालय को स्टाफ बढ़ाने के लिए पत्र लिखा जाएगा, बाद में स्टाफ बढ़ने पर बुकिंग विंडो शुरू कर दी जाएगी।

इसी दौरान बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं को सूचना मिलने पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान व अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रोडवेज बस स्टैंड पहुंचकर उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर जाते समय पॉलिटेक्निक कॉलेज का भी निरीक्षण किया। स्टूडेंट्स ने कॉलेज के पास रोडवेज बसें नहीं रुकने की बात कही।

मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने तुरंत अधिकारियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास रोडवेज बसों के स्टापेज बनाने के निर्देश दिए। कुछ समय बाद ही इसके आदेश भी जयपुर मुख्यालय से जारी कर दिए गए। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने रोडवेज बसों का 40 किलोमीटर से दायरा बढ़ाकर 400 किलोमीटर किया है, जहां भी कुछ कमियां है, उनमें सुधार करके आम आदमी को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी।

- जानकारी मिलने पर परिचालक ने उपमुख्यमंत्री के पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया

नवजात को जंगल में फेंकने की वारदात का पर्दाफाश

वारदात में शामिल कुंवारी युवती और उसके पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ थाना पुलिस ने 10 दिन के नवजात शिशु को मरने के लिए जंगल में फेंकने वाली कुंवारी निर्दयी मां और इसके पिता को पुलिस ने वारदात के 48 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। बाप और बेटी ने मिलकर अवैध जन्मे दोहिते को मौत के मुंह में धकेल कर धर्मशाला में जाकर सो गए। वहीं घटना के वक्त दोहिते को मौत के आगोश में जाते देख निर्दयी युवती की मां का कलेजा कांप रहा था। आखिरकार नवजात शिशु को भगवान ने नई जिंदगी दे डाली, और वारदात करने वालों को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

मांडलगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 23 सितम्बर को खेराड इलाके के सीता का कुंड के जंगल मे पत्थरों के ढेर में दबे एक नवजात शिशु को मांडलगढ़ पुलिस ने बरामद किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर कुमाता की तलाश शुरू की। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक रामलाल मीना और इनकी टीम ने स्थानीय मुखबिरी, अस्पतालों की डिटेल के आधार पर अनुसन्धान कर वारदात में शामिल पिता और सस्की 21 साल की कुंवारी बेटी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस पिता और पुत्री से वारदात को अंजाम देने के बारे में कड़ी पूछताछ कर रही हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक युवती के किसी से अवैध सम्बन्ध होने के दौरान वह गर्भवती हो गई, जिसका युवती के माता पिता को 6 माह बाद पता चला। बदनामी के डर से युवती को लेकर उसके माता पिता बूंदी जिले के एक गांव में आकर रहने लगे। युवती को बीते 14 सितम्बर को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन गर्भवती युवती को अस्पताल में ले गए, जहां युवती के कथित पति रामलाल का फर्जी नाम दर्ज करा कर प्रसव कराया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। 15 सितम्बर को परिजन युवती को अपने घर ले आए। समाज और गांव में बदनामी को छुपाने के लिए, युवती के पिता ने नवजात शिशु को मौत के मुँह में धकलने की योजना बनाई और 23 सितम्बर को दोपहर में युवती, उसकी माता और पिता बस में बैठ कर सीता का कुंड महादेव पर पहुंचे, जहां सड़क से दूर जंगल में नवजात शिशु के मुँह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए। इस वारदात के दौरान आरोपी कुंवारी युवती की मां ने उसके पति और बेटी को दोहिते को जंगल में फैंकने के लिये रो-रो कर मना किया था, लेकिन उसकी बात नहीं मानी। वारदात के बाद सीता का कुंड से तीनों बस में बैठ कर तिलस्वां महादेव चले गए और वहां एक धर्मशाला में ठहर गए थे, पुलिस की गठित टीम ने मध्यप्रदेश और वारदात स्थल के आसपास मुखबिरी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर जल्द गिरफ्तार किया है।

कुंवारी लड़की के जन्मे 20 दिन के शिशु के मुँह में फेविक्विक डालने और गर्म पत्थरों के बीच जमीन पर पड़े रहने से उसके शरीर में इंफेक्शन बढ़ गया। नवजात शिशु का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है, वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में शिशु को रखा गया है। वहीं नवजात को गोद लेने वाले दम्पती आगे आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने कुमाता और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है, कुंवारी युवती के किस्से अवैध सम्बन्ध थे जिसकी जांच की जा रही है। वहीं नवजात बच्चे और उसकी निर्दयी मां का डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा।

- बाप और बेटी ने मिलकर नवजात शिशु के मुंह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए थे

सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते का खाताधारक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते के खाताधारक को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों की घटनाओं को देखते हुए साइबर थाना एवं प्रत्येक थाना स्तर पर सायबर हेल्प डेस्क टीम का गठन किया जाकर टीम को सायबर अपराधों की रोकथाम हेतु साइबर ठगों व बैंक खातों की खरीद-फरोख्त करने वाले व्यक्तियों की धरपकड़ के लिये निर्देशित किया गया है।

शहर एसपी ने कहा कि सायबर अपराधों में लिप्त बैंक खातों के खाता धारकों एवं फर्जी सिम विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही हेतु अभियान चलाये जा रहे हैं। शहर एसपी ने बताया कि इसी क्रम में पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने साइबर अपराधों के उपयोग में लिये गये बैंक खातों का रिकॉर्ड प्राप्त किया, जिसमें खाताधारक नासिर खान के विरूद्ध गुजरात व हरियाणा में तीन साइबर शिकायतें दर्ज होना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए रामचन्द्रपुरा छावनी निवासी नासिर खान को डिटेन कर पूछताछ की तो खाता धारक द्वारा खाता स्वयं का होना बताकर जोश आक्रोश में आ गया, जिस पर खाताधारक नासिर खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पाबंद कराया गया। शहर एसपी ने कहा कि यदि खाता धारक को गिरफ्तार नहीं किया जाता तो वह अवश्य किसी सायबर घटना को अंजाम दे सकता था। शहर एसपी ने कहा कि मामले में खाताधारक के खाते का पूर्ण रिकॉर्ड प्राप्त कर कार्रवाई जारी है।

नकबजनी का आरोपी पकड़ा

बूंदी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने रजतगृह कॉलोनी में हुई नकबजनी का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी प्रदीप बैरागी को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। अनिता मीणा, निवासी रजतगृह गेट नंबर 6, बूंदी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे 6 अगस्त को रात करीब 8 बजे अपने मकान पर ताला लगाकर गांव चली गई थी। उनके मकान में 8 जून की रात को अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक हाथ घड़ी, गुल्लक से लगभग 3 हजार रुपए, अलमारी में रखे 10 हजार रुपए नकद चुराए। इसके अतिरिक्त, चांदी की तीन चुटकी, चांदी की दो जोड़ी पायल, सोने की एक बाली, एक नाक का कांटा, एक कैमरा और सोनाटा व टाइटन कंपनी की दो हाथ की घड़ियां भी चोरी हुई थी।

प्रदेश में नवीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 3.70 लाख छात्राओं को साइकिल का इंतजार

साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू हुए तीन माह पूरे होने वाले हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों की नवी कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को अभी तक निशुल्क साइकिल नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है। शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। अक्टूबर में वर्क आर्डर जारी होने की संभावना है। इसके बाद सप्लाई में तीन माह का वक्त और लगेगा। ऐसे में दिसंबर से पहले साइकिलों के पार्ट्स जिलों में पहुंचना संभव नहीं हो पाएगा।

इंस्टालेशन में दो माह का समय लगेगा। इसके बाद वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 12 दिसंबर से 24 दिसंबर तक होगी। पिछले साल भी 9वीं कक्षाओं की छात्राओं को दिसंबर-जनवरी माह में साइकिलों का वितरण शुरू किया गया था। कमोबेश यही स्थिति इस शिक्षा सत्र में बन रही है। साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं पिछले तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है।

उधर, अभिभावक और शिक्षक नेता का कहना है कि राज्य सरकार की योजना अच्छी है लेकिन समय पर साइकिल नहीं मिलने से छात्राओं को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। शिक्षा निदेशालय ने जिलेवार निशुल्क साइकिल के लिए पात्र छात्राओं की संख्या मांग ली है। बीकानेर जिले में शिक्षा सत्र 2025-26 में 9वीं कक्षा में अध्ययनरत 11586 छात्रों को निशुल्क साइकिल का वितरण किया जाएगा, जबकि पिछले साल जिले में 12081 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरित की गई थी।

- पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है
- शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है

अतिक्रमणकारियों ने बुजुर्ग महिला का अन्तिम संस्कार रोका

प्रदर्शन के बाद पुलिस की समझाइश पर महिला का दाह संस्कार हुआ

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना क्षेत्र के भंवरकोल गांव में अतिक्रमण के चलते 70 साल की बुजुर्ग महिला का शव छह घंटे तक अंतिम संस्कार बिना पड़ा रहा तथा मृतक के बेटे ने शव के रास्ते में आने वाले अतिक्रमण के खेत की मेढ़ को हटाने का प्रयास किया तो किसान मालिक भड़क गया और थप्पड़ मार दी। बाद में सूचना पहुंचे तहसीलदार ने मामला शांत करवाया तथा बाद में बुजुर्ग का अंतिम संस्कार किया गया।

घाड थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने पर पंहुचे टोंक तहसीलदार मानवेंद्र सिंह जायसवाल, देवली डीएसपी रामसिंह व अन्य पुलिस दल ने अतिक्रमण हटवाकर अंतिम संस्कार करवाया। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि भंवरकोल निवासी भूरी देवी बैरवा (70) की गुरुवार को मौत हो जाने के बाद परिजन जब उसके अंतिम संस्कार हेतु ट्रैक्टर में लकड़ियां भरकर शमशान घाट पहुंचे तो वहां पर शमशान के रास्ते में और श्मशान में कुछ लोग तारबंदी कर रखी थी। उसे परिजनों द्वारा हटाया जा रहा था, तभी लोडक्या गुर्जर मौके पर आकर परिजनों को शमशान घाट पर जलाने से मना कर दिया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देवलाल बैरवा के थप्पड़ मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही समाज के लोगों में आक्रोश का माहौल हो गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को शमशान के रास्ते में ले गए और शव को रखकर प्रदर्शन करने लगे। जिसकी सूचना मिलने पर घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा मय जाब्ता मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया तथा बाद में मौके पर देवली डीएसपी व टोंक तहसीलदार ने पहुंचकर परिजनों को समझाते हुए शमशान भूमि पर जेसीबी मशीन से ढोलबन्दी कर शव का अंतिम संस्कार कराया। इस दौरान मृतक के बेटे देवलाल बैरवा की ओर से थानेदार को दी गई रिपोर्ट देकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

- मृतका के बेटे ने रिपोर्ट देकर अतिक्रमियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

निजी कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना के तहत बनाया मकान

खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की

छबड़ा, (निसं)। कस्बे में निजी व्यक्तियों के खातेदारी की कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास बनाए जाने का मामला सामने आया है। खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने व अतिक्रमियों को भूमि से बेदखल किए जाने की मांग की।

खातेदार जगदीश ऐरवाल व ललित कुमार वर्मा ने एसडीएम व विकास अधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके व अन्य खातेदारों की शामलाती भूमि खाता संख्या 113 की खसरा नम्बर 24/1117 रकबा 0.9485 हेक्टेयर चांचौड़ा में स्थित है। उक्त खातेदारी की भूमि पर रमेश धाकड़ पुत्र देवलाल निवासी चांचौड़ा ने अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना का लाभ लेते हुए मकान का निर्माण कर लिया। वहीं, उक्त अतिक्रमणशुदा भूमि पर ग्रामसेवक ने नियम विरूद्ध किश्तें भी जारी कर दी। जब उन्होंने अतिक्रमी रमेश से मकान बनाने के लिए मना किया तो वह लड़ाई-झगड़ा करने पर अमादा हुआ। उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं। बावजूद इसके ग्राम सेवक ने किश्तें जारी कर दी और रमेश ने अतिक्रमण कर मकान बना लिया।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत नियम विरूद्ध तरीके से किश्तें जारी करना मिलीभगत और अतिक्रमियों को बढ़ावा देने की ओर इशारा करता है।

इस मामले में सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र मीणा ने बताया कि इस सम्बंध में ग्राम सेवक को पत्र जारी कर मामले की जांच करवाई जाएगी। यदि यह मामला नियम विरूद्ध पाया जाता है तो निर्माणाधीन पीएम आवास रोक लगा दी जाएगी और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

- उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं, बावजूद इसके ग्रामसेवक ने किश्तें जारी कर दी

शिक्षक संघ का सम्मेलन शुरू

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का जिला स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन के मुख्य अतिथि ज्वालाप्रसाद झाझड़िया सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, विशिष्ट अतिथि बीरबल सिंह सुंडा प्रधानाचार्य, बजरंग सिंह मूंड प्रदेश प्रतिनिधि थे। हवासिंह बामिल जिलाध्यक्ष ने सभी आगंतुक को एवं अतिथियों का स्वागत किया एवं शिक्षा नीति 2020 पर विचार व्यक्त किये। जिला मंत्री सुशील बुडानिया ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चर्चा में विक्रमसिंह बुडानिया, सुभाष झाझड़िया, उम्मेदसिंह ढाका, सुरेंद्र कुमार महला, मूलचंद डूडी, केशर देव, पंकज कुमार, मानवेंद्र जैफ, हर्ष महला, रामावतार, ओमप्रकाश शर्मा, प्रभातीलाल सिरोवा सहित अन्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्ति, पीडी मद का बजट एक मुश्त जारी करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

भीलवाड़ा की टूटी एवं गड्ढों वाली सड़कों को लेकर स्थाई लोक अदालत सख्त

जिला कलेक्टर, नगर निगम, यूआईटी, पीडब्ल्यूडी सहित सात को नोटिस जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा के मार्फत दायर परिवाद में स्थाई लोक अदालत भीलवाड़ा के अध्यक्ष शाहबुद्दीन, सदस्य गोरधन सिंह कावड़िया व सदस्या सुमन त्रिवेदी ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला कलेक्टर, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, नगर विकास न्यास, आरयूआईडीपी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए।

जाजू ने याचिका में बताया कि शहर में सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब है। गहरे गड्ढों और टूटी सड़कों के चलते आमजन को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन हादसे हो रहे हैं, जिससे लोग घायल हो रहे हैं। साथ ही, बरसात में गड्ढों में पानी भरने से मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। जाजू ने परिवाद में शहर की सैकड़ों जगहों की तस्वीरें भी न्यायालय में प्रस्तुत कीं। इनमें नगर निगम काइन हाउस चौराहा, कांवाखेड़ा, गंगापुर तिराहा, शास्त्री नगर, काशीपुरी चौराहा, तेजसिंह सर्कल, हरणी महादेव चौराहा, कृषि उपज मंडी रोड, सोनी हॉस्पिटल रोड, कनक पेट्रोल पंप रोड, जेल चौराहा, गर्ल्स कॉलेज चौराहा, हनुमान टेकरी, बड़ला चौराहा, गुरु गोविंद सिंह मार्ग, चामुंडा माता मंदिर रोड, आयकर भवन रोड सहित अनेक स्थान शामिल हैं। जाजू ने परिवाद में बताया कि 6 सितम्बर को नगर निगम आयुक्त, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और जिला कलेक्टर को लिखित में सड़कें ठीक करने का निवेदन भी किया गया, लेकिन लापरवाही बरतते हुए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा ने बताया कि सड़कें सार्वजनिक उपयोगिता सेवा का हिस्सा हैं और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को सुगम आवागमन का मौलिक अधिकार है। जाजू ने परिवाद में दीपावली से पहले शहर की पाँच क्षेत्रों में बाँटकर सभी टूटी सड़कों और गहरे गड्ढों की मरम्मत कर गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनवाने का आदेश जारी करने का निवेदन किया।

- अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए

भीलवाड़ा शहर में कई जगह पर टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों से आमजन परेशान हैं।

नेशनल हाइवे पर चलती ईको कार में आग लगी, बाल-बाल बचा परिवार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद नेशनल हाइवे-158 पर हरिपुरा चौकी के पास शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां चलती हुई ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और जलकर खाक हो गई। गनीमत यह रही कि कार में सवार एक पूरा परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया। यह घटना जिवलिया बस स्टैंड के निकट हुई बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था। नेशनल हाइवे-158 पर पहुंचते ही अचानक चलती कार में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों और नेशनल हाइवे की मेंटेनेंस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। इस घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी लगभग आधे घंटे की देरी से घटनास्थल पर पहुंची। तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। आसींद निवासी दीपक पूरी, उनकी पत्नी सोनू देवी और पुत्र तोनू पूरी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंचकर सूझबूझ से बचाया। अग्निशामन को बुलाया गया तब जाकर आग पर काबू पाया गया।

- कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था

ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और खाक हो गई।

पेसिफिक विवि की 55 छात्राओं को स्कॉलरशिप

उदयपुर । पेसिफिक विवि ने विद्यार्थियों को बालिकाओं को उच्च शिक्षा से जोडने व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन छात्रवृत्ति योजना की जानकारी देने के लिए सेमीनार का आयोजन किया।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन छात्रवृत्ति योजना के बारे में जानकारी देते हुए विवि की 55 छात्राओं को पंजीयन किया है। यहां छात्राओं को फाउण्डेशन में छात्रवृत्ति योजना पंजीयन प्रक्रिया सिखाने के लिए लाइव डेमो दिखाया गया। इस योजना के तहत 10 वी व 12 वीं की पढाई सरकारी विद्यालय पूरी करने के बाद कॉलेज में प्रवेश लेने पर प्रतिवर्ष 30 हजार रूपये की स्कॉलरशिप प्रदान कि जायेगी।

वाइस चांसलर प्रो. हेमन्त कोठारी ने बताया कि दक्षिण राजस्थान में कई प्रतिभावान छात्राएं हैं जो आर्थिक असक्षमता के कारण स्नातक की पढाई छोड देती हैं जबकि ऐसी छात्राओं के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। पेसिफिक विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के समय से जरूरतमंद विद्यार्थियों खासतौर पर बालिका शिक्षा पर जोर देता रहा है, यहां कई छात्राओं को नि:शुल्क या छात्रवृत्ति के माध्मय से स्नातक की शिक्षा प्रदान की जा चुकी है।जिसमें छात्राओं को पंजीयन से लेकर छात्रवृत्ति प्राप्त करने तक के बारे प्रायोगिक रूप से जानकारी दी ।

भारतीय ज्ञान परपंरा का उपयोग कर बढ़ाएं बच्चों की बौद्धिक क्षमता : राज्यपाल बागड़े

- राज्यपाल ने महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में ली बैठक

उदयपुर,। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि भारत ज्ञान की दृष्टि से सर्वाधिक समृद्ध है। वैज्ञानिकों, प्रोफेसर्स को चाहिए कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा का शोध-अनुसंधानों में उपयोग करते हुए बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दें। राज्यपाल बागड़े उदयपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विवि के अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, संबद्ध महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत आदिकाल से ज्ञान का कोष रहा है। उन्होंने भारद्धाज ऋषि सहित अन्य का उदाहरण देते हुए उनके लिखे ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने ऐसी पुस्तकों को विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में रखने तथा अनुसंधान करने का सुझाव दिया। बागड़े ने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं हैं। अमरिका सहित पूरा विश्व भारतीय टेलेन्ट पर निर्भर है। यही वजह है कि 1998 के परमाणु परीक्षण के बाद अमरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ा। बागड़े ने विवि की ओर से गोद लिए गए गांवों में संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। गोद लिए गांवों में स्वच्छता आदि गतिविधियां चलाना ही पर्याप्त नहीं हैं। वहां का समूचा वातावरण बदलना चाहिए। इन गांवों में महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों-शिक्षकों, कार्मिकों आदि को जोड़ते हुए प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को कहानी-प्रेरक किस्सों आदि के माध्यम से शिक्षित-दीक्षित करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए, ताकि उनकी नींव मजबूत हो और वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भी पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक स्तर पर बच्चों को अपने लोकल परिवेश के साथ जोड़ते हुए पढ़ाने की पक्षधर है। बैठक में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे, नामांकन की स्थिति, छात्रवृत्ति योजनाओं से लाभान्वित विद्यार्थियों, परीक्षा व्यवस्था, वित्तीय स्थिति, स्वीकृत एवं रिक्त पदों की स्थिति, रॉस्टर प्रणाली, विश्वविद्यालय की उपलब्ध एवं बिल्टअप भूमि आदि के बारे में जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। प्रारंभ में कुलगुरू डॉ अजीतकुमार कर्नाटक, सचिव अशोक कुमार, वित्त नियंत्रक दर्शना गुप्ता आदि ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े का स्वागत किया।

राज्यपाल बागड़े ने विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में शामिल महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के इंजीनियरिंग संकाय में नवीकरणीय उर्जा इंजीनियरिंग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ नारायणलाल पंवार तथा आणविक जीवविज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ विनोद सहारण का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि दोनों वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय ही नहीं पूरे देश को गौरवान्वित किया है। राज्यपाल बागड़े सुबह 10 बजे विवि परिसर पहुंचे। यहां सर्वप्रथम उन्होंने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के पश्चात् राज्यपाल बागड़े पुनः सर्किट हाउस लौटे। यहां कुछ समय प्रवास के बाद दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग से माउंट आबू के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलक्टर नमित मेहता सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। श्री बागड़े माउंट आबू में आयोजित विविध कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद 27 सितम्बर को अपराह्न बाद उदयपुर आएंगे। वहीं शाम को डबोक एयरपोर्ट से विमान द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सार-समाचार

घरो में रातभर बंद रही लाइट

उदयपुर, । उदयपुर शहर के साइफन चौराहे स्थित एक अवैध बिल्डिंग को देर रात को तोडने के दौरान एक बडा हादसा ही गया। बिल्डिंग का एक बडा हिस्सा टूट कर बिजली के खंबे पर गिरा और खंभा टूट गया जिससे क्षेत्र के 100 से अधिक घरों में विद्युत आपूर्ति बंद हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार साइफन चौराहे पर एक बिल्डिंग को निजी बिल्डर द्वारा अवैध रूप से तोडने का काम किया जा रहा है। बिल्डिंग को तोडने के दौरान बिल्डिंग का एक हिस्सा टूटकर विद्युत पोल पर गिर गया जिससे क्षेत्र के लगभग 100 घरों में लाइट बंद हो गयी। यह बिल्डिंग वासुदेव मिष्ठान भंडार वालों की बताई जा रही है जिसे बेदला रोड निवासी कैलाश शर्मा द्वारा तुडवाया जा रहा था। मोके पर पहुंचे कॉलोनीवासियों ने हैवे मशीन चला रहे ड्राइवर से लाइसेंस मांगा तो वह मशीन छोड कर भाग गया। जो व्यक्ति है बिल्डिंग तुडवा रहा है उससे भी कॉलोनीवासियों ने बिल्डिंग तुडवाने की परमिशन मांगी गई तो वह व्यक्ति भी अपना फोन स्विच ऑफ करके चला गया। गनीमत रही कि किसी राहगीर पर मलबा नहीं गिरा नहीं तो किसी की जान जा सकती थी।

80 वार्डो की परिसीमन अधिसूचना जारी

उदयपुर, । उदयपुर नगर निगम के 80 वार्ड के प्रस्ताव को राज्य सरकार से मंजूरी मिल गई है। इसका राज्य सरकार ने गजट में प्रकाशन भी करवा दिया है। ऐसे में अब आगामी नगर निगम चुनाव 80 वार्ड के हिसाब से ही होंगे यह भी तय हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों शहर के आसपास के गांवों को नगर निगम सीमा में शामिल करते हुए 70 वार्ड से बढाकर 80 वार्ड बनाए गए और जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था। उस दौरान हालांकि कुछ गांवों के लोगों ने विरोध भी दर्ज करवाया लेकिन प्रशासन स्तर पर ही आपत्तियों का निस्तारण कर फाइनल प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया था। उसको मंजूरी देते हुए राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने राजस्थान राजपत्र विशेषांक (गजट) में प्रकाशन करवा दिया है। नगर निगम के 80 वार्ड के प्रस्ताव को राज्य सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अब आगामी निगम चुनाव से पहले इन 80 वार्डों के चुनाव के लिए वार्ड आरक्षण तय करने जिला मुख्यालय पर लॉटरी निकाली जाएगी। उसमें यह तय होगा कि कौन से वार्ड से किस जाती का व्यक्ति पार्षद का चुनाव लड सकेगा। प्रदेश भर के नगर निगम के मेयर पद आरक्षण तय करने की लॉटरी जयपुर में निकाली जाएगी। परिसीमन में निगम क्षेत्र का भूगोल बदलने के साथ ही राजनीतिक परिदृश्य भी बदल जाएगा। मौजूदा ज्यादातर पार्षदों को चुनाव लडने के लिए नए सिरे से सियासी जमीन तैयार करनी होगी। उदयपुर नगर निगम के कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने बताया.डीएलबी जयपुर से अधिसूचना मिल गई है और इसमें सभी वार्डों की सीमा तय कर दी गई है और आबादी का भी उसमें उल्लेख है।

केंद्रित ग्रीन पीपल समिति की बैठक

उदयपुर,। पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता को बढावा देने के उद्देश्य से ग्रीन पीपल समिति की बैठक शुक्रवार को अरण्य कुटीर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राहुल भटनागर ने की, जबकि नीदरलैंड से आए पर्यावरण शोधकर्ता पीटर मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि पीटर ने बताया कि मेवाड अंचल समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक है। वे इन दिनों उदयपुर और आसपास की पहाडयों तथा उनके पारिस्थितिक महत्व पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस शोध को सफल बनाने के लिए उन्हें समिति सदस्यों के सहयोग की आवश्यकता है। बैठक में 1 से 7 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले वन्य जीव सप्ताह की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपाध्यक्ष एवं जयपुर चैप्टर प्रभारी, रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने जानकारी दी कि इस वर्ष का जयपुर बर्ड फेस्टिवल 31 जनवरी से 1 फरवरी तक आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस बार विद्यार्थियों की गतिविधियों में और अधिक विविधता लाने का विशेष प्रयास किया जाएगा, ताकि युवा पीढी में पक्षी संरक्षण के प्रति गहरी रुचि पैदा हो। बैठक में डॉ. ललित जोशी ने लंपी रोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं, जबकि समिति के एस एन दवे ने संस्था के लिए विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से संपर्क साधने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर पक्षी विशेषज्ञ विनय दवे, प्रताप सिंह चुंडावत सहित समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महो.
स्थान सीकर
सौम्या शर्मा विरुद्ध ओमप्रकाश शर्मा
वाद / प्रार्थना पत्र धारा 12 अंतर्गत धारा 18, 19, 20, 22 घरेलू हिंसा से स्त्री संरक्षण Act. 2005 प्रार्थना-पत्र संख्या 969 / 2022
1. ओमप्रकाश शर्मा पुत्र मोहनलाल शर्मा
2. मोहनलाल शर्मा पुत्र रामगोपाल
3. रेखा शर्मा पत्नी मोहनलाल शर्मा
जाति जांगीड़ ब्राह्मण पता प्लॉट नं. 403, विवेक नगर, सेक्टर नं. 3 हीरण मगरी उदयपुर, जिला - उदयपुर उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न दी । अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 03 माह 10 सन् 2025 को 10:00AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 11 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दीगई।
आज्ञा से
रीडर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सीकर (राज.)

नई सुपरफास्ट ट्रेन का स्वागत

उदयपुर, ।पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार प्रात: 8.50 बजे चंडीगढ रेलवे स्टेशन पर उदयपुर से चंडीगढ के लिए शुरू की गई नई सुपरफास्ट ट्रेन का स्वागत किया। यह महत्वपूर्ण सुविधा राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के व्यक्तिगत प्रयासों और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैश्नव के साथ उनकी लगातार पहल का परिणाम है। उनके प्रयासों से ही यह ट्रेन संभव हो पाई है जो उदयपुर की जनता के लिए एक बडी सौगात और सुविधा है। इस ट्रेन से न केवल उदयपुर और चंडीगढ के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा बल्कि दोनों शहरों के पर्यटन और आवागमन को भी नई गति मिलेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरुवार को बांसवाडा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस द्वि. साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया था।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर । भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर की ओर से ग्राम पंचायत चीरवा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छोत्सव 2025, जीएसटी बचत उत्सव एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर रैली, मिनी प्रदर्शनी, संगोष्ठी, पेंटिंग प्रतियोगिता, मौखिक प्रशनोत्तरी के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत चीरवा के सरपंच गगन गमेती ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मानसिकता का विकास होता है । हमें ये समझना चाहिये कि ये केवल सरकार का कार्य नहीं है, बल्कि समाज में रहने वाले हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। क्षेत्रीय प्रचार सहायक रवि कुमार योगी ने विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान, नवीन जीएसटी सुधार, केंद्र सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा करते हुए जीएसटी बचत उत्सव के बारे में उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी। उन्होंने कहा की 22 सितम्बर से जी.एस.टी. की नई दरें लागू होने के कारण रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम कम हुए है। केंद्र सरकार ने 12 व 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब को खत्म कर अब केवल 5 व 18 प्रतिशत के दो टैक्स स्लैब को ही रखा है जिससे छोटे व्यापारियों और आम आदमी को बडी राहत मिली है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय चीरवा की प्रधानाचार्या मोनिका जोशी ने कहा कि जागरूकता के साथ-साथ स्वच्छता को अपने व्यवहार में लाना आवश्यक है हम सब के स्वस्थ जीवन के लिये स्वच्छता की शुरुआत घरों, स्कूलों, कालेजों, समुदायों, कार्यालयों, संस्थानों से होनी चाहिए जिससे कि देश में व्यापक स्तर पर स्वच्छ भारत क्रांति हो। राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक ओमप्रकाश खटीक ने उपस्थित दर्शकों से कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता को अपने नैतिक कर्तव्य के रूप में अपनाते हुए कार्य करना होगा तभी यह अभियान सफल हो पाएगा । सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर संजय शर्मा ने व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व प्रकाश डाला ।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, मा वाउचर योजना, उजाला क्लिनिक,आदि के बारे में भी उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी । इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला पर्यवेक्षक रचना मोदी द्वारा राष्ट्रीय पोषण अभियान तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित केंद्र सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पोषण माह के अंतर्गत पौष्टिक आहार का प्रदर्शन भी किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह द्वारा नवीन सुधार एवं स्वच्छता ही सेवा पर आयोजित मिनी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया ।

कन्यादान योजना का लाभ मिला

उदयपुर, 26 सितम्बर। ग्रामीण सेवा शिविर सुदूरवर्ती जनजाति अंचल में न केवल राहत के पर्याय बल्कि आशा की नई किरण भी बन कर उभर रहे हैं। उदयपुर जिले के सुदूरवर्ती जनजाति अंचल फलासिया तहसील की ग्राम पंचायत अमीवारा में आयोजित शिविर में एक आदिवासी बिटिया के विवाह पर उसे मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 41000 रूपए की सहायता राशि का लाभ मिला। इससे परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अमीवारा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान पवन भील ने तहसीलदार को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत प्रार्थना पत्र सौंपा। शिविर स्थल पर तहसीलदार, सहायक विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीक्षक सहित अन्य ने सभी जरूरी कार्यवाही पूर्ण कराते हुए प्रार्थी को योजना के तहत 41000 रूपए की सहायता राशि का स्वीकृति पत्र सौंपा। इससे पवन भील का परिवार गद्‌गद् हो उठा तथा मुख्यमंत्री एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द
सं. 521-22 | **लोक-सूचना** | दिनांक: 24/09/2025

श्री रामेश्वर लाल पिता श्री खेमराज सिरवी निवासी सिरवी की भागल कोठारिया तहसील नाथद्वारा जिला राजसमन्द इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	धोईन्दा	4024/790	रकबा 0.0056 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24/09/25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द
सं. 5044 | **लोक-सूचना** | दिनांक: 25/09/2025

श्रीमती आशा पत्नी श्री लालाराम प्रजापत निवासी कुम्हारो का मोहल्ला राजनगर तहसील व जिला राजसमन्द इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	सनवाड़	2144/1846	रकबा 0.0093 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द
सं. 505-07 | **लोक-सूचना** | दिनांक: 24/09/2025

श्री विनोद प्रजापत पिता श्री रतन लाल प्रजापत निवासी वार्ड नं. 30 कुम्हारों का मोहल्ला राजनगर तहसील व जिला राजसमन्द इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	सनवाड़	2143/1846	रकबा 0.0098 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24.09.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द
सं. 5047 | **लोक-सूचना** | दिनांक: 25/09/2025

श्री कैलाश प्रजापत पिता श्री मांगी लाल प्रजापत निवासी कुम्हारों का मोहल्ला राजनगर तहसील व जिला राजसमन्द इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	सनवाड़	2146/1846	रकबा 0.0093 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए
कार्यालय नगर पालिका आमेट जिला-राजसमन्द (राज.)
PH.No:-02908-250005 E-mail ID :-municipalityamet@gmail.com
क्रमांक:न.पा.आ./भुमि रूपा./2025/1241 | **-:लोक सूचना:-** | दिनांक : 26/09/2025

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित आवेदकों द्वारा कृषि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात:-

तहसील जिले का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खातेदार का नाम	खसरा नं./ आराजी नं.	क्षैत्रफल (हैक्टर में)
आमेट राजसमन्द	आमेट	श्री बालाजी डवलपर्स प्रो. विष्णु पारिक निवासी भीलवाड़ा व श्री राकेश शर्मा पिता शोभालाल शर्मा निवासी गुजरात।	5023, 5024, 5026,	कुल रकबा 2.1063 हैक्टर भूमि मुख्यमंत्री जन आवास योजना प्रयोजनार्थ।

उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों में व्यक्तियों के अधिकार/ हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने की और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 26/09/25 को जारी की जाती है।
प्राधिकृत अधिकारी (भूमि रूपान्तरण), नगर पालिका आमेट

प्रोफेशनल आर्टिस्ट की पेंटिंग प्रतियोगिता आज

उदयपुर, । संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार)के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र,उदयपुर द्वारा ष्विकसित भारत के रंग कला के संगष् कार्यक्रम के तहत प्रोफेशनल आर्टिस्टों के लिए शनिवार को सुबह 9 बजे पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। शुक्रवार को विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल फतहपुरा में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

केन्द्र निदेशक फुरकान खान ने बताया कि केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार विकसित भारत की थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता सेवा पर्व के रूप में पूरे देशभर में आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को शिल्पग्राम में प्रोफेशनल आर्टिस्टों के लिए सुबह 9 बजे पेंटिंग प्रतियोगिता की जाएगी। इस प्रतियोगिता में 3० वर्ष से अधिक के कोई भी कलाकार भाग ले सकते है। शुक्रवार विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल फतहपुरा में विकसित भारत की थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जिसमें कई विद्यार्थियों ने विकसित भारत की कल्पना को सुंदर चित्रों में उकेरा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आर.एल.सुमन, सुपरिंटेंडेटए महाराणा भूपाल चिकित्सालय उदयपुर थे। साथ में केन्द्र के सहायक निदेशक वित्त एवं लेखा दुर्गेश चांदवानी,अधिशाषी हेमंत मेहता एवं स्कूल के प्राचार्य पुष्पेन्द्र सिंह राणावत उपस्थित थे।

इस दिवाली उदयपुर का पैसा उदयपुर में: डार्क स्टोर्स से खतरे में स्थानीय रोजगार

उदयपुर । मेवाड की विरासत काफी समृद्ध रही है विशेष कर पधारो म्हारे देश पंक्ति को हम लोग दिल से निभाते हैं उसे जीते हैं । हम सभी का स्वागत करते हैं लेकिन हमारी सहृदयता का हमें नुकसान भी उठाना पड सकता है। राजस्थान में मेवाड की सांस्कृतिक राजधानी उदयपुर व मेवाडआज एक नई चुनौती का सामना कर रही है। हमारे सामने कई ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं जिसके भविष्य में दुष्परिणाम हमारे सामने आ सकते हैं। यहां के हजारों लोग देश-दुनिया में बडे पदों पर और उद्योगपति के रूप में नाम कमा रहे हैं लेकिन यहां के स्थानीय लोग कई ऐसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं जिनका समाधान स्थानीय स्तर पर हो सकता है लेकिन इस ओर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हमने मेवाड के स्थानीय मुद्दों को उठाकर इसका सकारात्मक समाधान ढूंढने के लिए मेवाड बचाओ मंच की स्थापना की है। हमारा लक्ष्य है कि लोगों को अपने साथ जोडकर पॉजिटिव माहौल में समस्याओं का समाधान किया जाए। मंच का किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति से मतभेद नहीं है हमारा लक्ष्य है समस्याओं का समाधान सभी को साथ लेकर किया जाए। मंच के साथ मेवाड के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोग जुड गये हैं और हमारी टीम ग्राउण्ड स्तर पर सर्वे व अन्य कार्य करके मुद्दे इकट्ठा कर रही है।

मेवाड बचाओ मंच के संस्थापक अध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि स्वतंत्रता सैनानी, संविधान सभा के सदस्य और प्रथम सांसद बलवंत सिंह मेहता के विचारों से प्रभावित होकर यह मेवाड बचाओ मंच की नींव रखी गयी है। वर्तमान कार्यकारिणी में मयंक जानी उपाध्यक्ष, दीपेश शर्मा सचिव, डॉ. शिखा दोषी, चिराग मेघवाल और निधि गुप्ता उपसचिव पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं । आगामी समय में कार्यकारिणी का विभिन्न स्तरों पर विस्तार किया जाएगा ताकि ज्यादा लोगों की टीम काम करके अधिक समस्याओं के समाधान के प्रति कदम उठा सके।

संस्थापक अध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने कहा कि मंच की पहली मुहिम उदयपुर का पैसा उदयपुर में रखी गयी है। मुहिम के तहत स्थानीय व्यापारियों के संघर्ष और चुनौतियां जो कि ऑनलाइन खरीददारी के कारण उनके सामने आ रही है इस पर चर्चा करके, जनता को जागरूक करके समाधान ढूंढने की कोशिश की जाएगा। आज इंस्टेंट डिलीवरी कंपनियाँ और उनके डार्क स्टोर्स शहर के लगभग 30 प्रतिशत स्थानीय रोजगार को सीधे तौर पर प्रभावित कर रहे हैं। यह खतरा सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। बल्कि उदयपुर की सामाजिक और आर्थिक संरचना को भी हिला रहा है। पहले सामान खरीदने और बेचने में किसान, थोक व्यापारी, फुटकर विक्रेता डिलीवरी बॉय सभी इस श्रृंखला का हिस्सा थे। लेकिन अब वही सामान सीधे डार्क स्टोर्स से ग्राहक तक पहुँच रहा है।

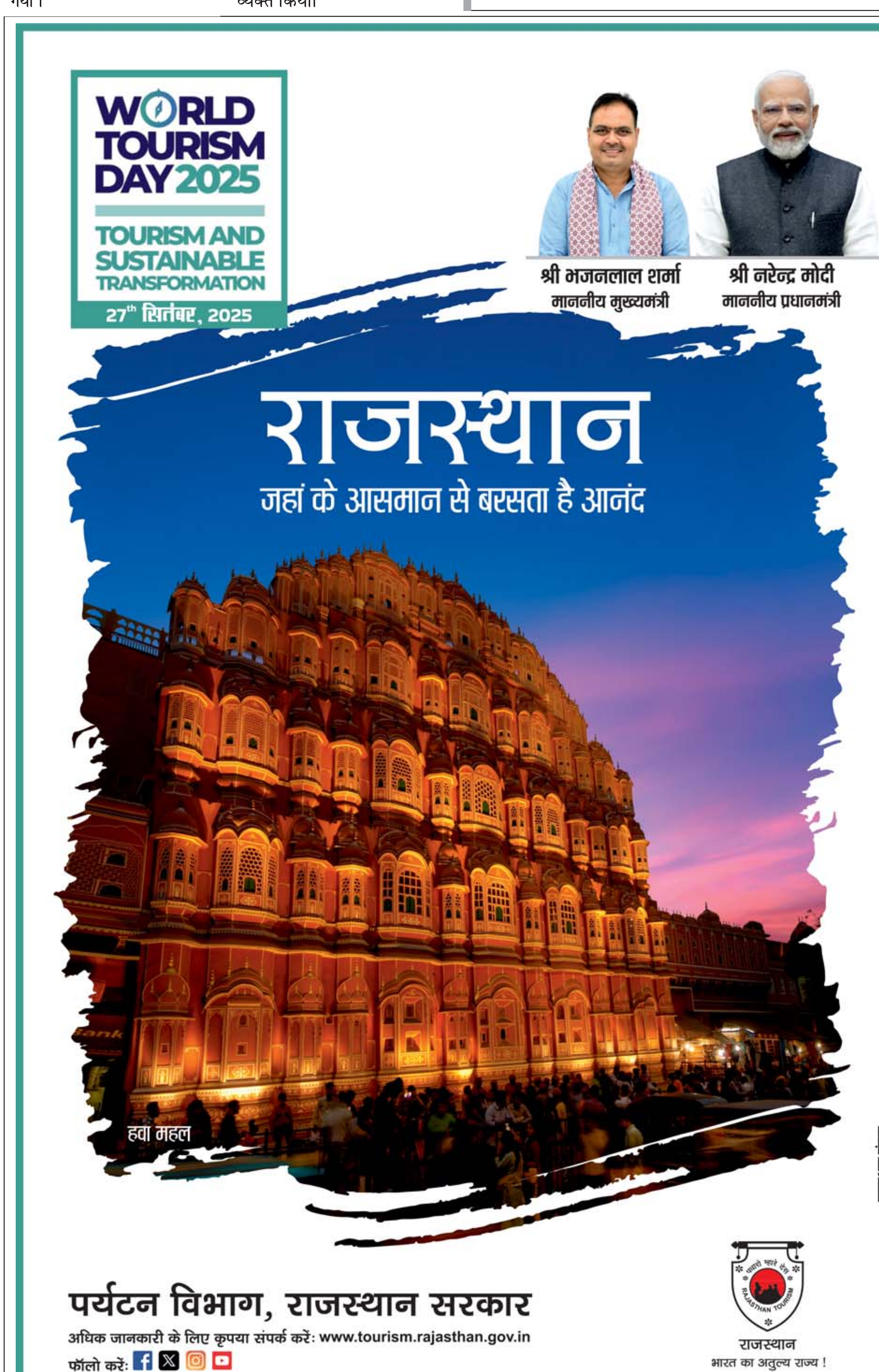

हर बार जब टीम इंडिया यह जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी, मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। इस बार, हमारी महिलाएँ ही हैं जो विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं।
- टाइगर श्राफ

बॉलीवुड अभिनेता, भारतीय महिला टीम का समर्थन करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शमार जोसेफ

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट की वजह से अगले महीने भारत के ख़िलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर योहान लेन को टीम में शामिल किया गया है। भारत में 14 अक्टूबर को टेस्ट सीरीज खत्म करने के बाद वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश में तीन वनडे खेलेगी, जो 18 अक्टूबर से शुरू होंगे। इसके बाद 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक तीन टी20 भी होंगे। इसके बाद टीम न्यूजीलैंड जाएगी, जहां पांच टी20, तीन वनडे और तीन टेस्ट की ऑल-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। फ़िलहाल टीम यूएई में है।

क्या आप जानते हैं ?... 1984 में एशिया कप का पहला सीजन खेला गया, तब से लेकर अब तक भारत-पाकिस्तान के बीच कभी एशिया कप का फाइनल नहीं हुआ।

एशिया कप 2025 फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी

दुबई, 26 सितम्बर। बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गया है। वहीं अब 28 सितंबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल मैच खेला जाएगा। ये भारत और पाकिस्तान की एशिया कप के इतिहास में 17वीं बार भिड़ंत होगी। एशिया कप के इतिहास में ये पहली बार है जब खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। हालांकि, व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में कुल पांच फाइनल खेले गए हैं जिसमें पांच से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया हो। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया सिर्फ दो बार जीत हासिल कर सकी है। भारत ने बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप (1985) और पहला टी20 वर्ल्ड कप (2007) जीता है। वहीं पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप (1986,1994) और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी (2017) जीती। 1985 में बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया था। ऑस्ट्रल-एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने एक विकेट से जीत दर्ज की थी। 1994 में एशिया कप में पाकिस्तान ने 39 रन से बाजी मारी। वहीं भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की। 2017 में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था।

नेपाल को 3-0 से हराकर भारत सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के फाइनल में

कोलंबो, 26 सितंबर। भारत की अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने नेपाल को 3-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली। गुरुवार रात रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल में गत चैंपियन ने आखिरकार अपने दबदबे को गोल में बदल दिया, जिससे अब खिताबी मुकाबले में उसका बांग्लादेश से सामना होगा, जिसने पहले पाकिस्तान को 2-0 से हराया था। वांगखेराकपम गुनलेइबा (61वें मिनट) और स्थानापन्न अजलान शाह खान (80वें मिनट) और डायमंड सिंह थोकचोम (90वें मिनट) ने गोल किए और ब्लू कोल्ट्स ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। हाफ-टाइम तक स्कोरलाइन गोलरहित रही।

भारत ने सुपर ओवर में श्रीलंका को हराया

अर्शदीप ने महज 2 रन दिए, टी-20 एशिया कप में पहला मैच टाई हुआ था

दुबई, 26 सितंबर। भारत ने एशिया कप 2025 में अपना अजेय अभियान जारी रखा है। टीम ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसमें भारत को 3 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारतीय बैटर्स ने एक गेंद पर हासिल कर लिया। शुक्रवार रात को भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। ऐसे में फैसला सुपर ओवर में हुआ। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 203 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम से पथुम निसांका ने 58 बॉल पर 107 रन की पारी खेली। उन्होंने कुसल परेरा (58 रन) के साथ 127 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच टाई कराया। इससे पहले भारतीय टीम ने मौजूदा एशिया कप में पहली बार 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया था। ओपनर अभिषेक शर्मा ने 31 बॉल पर 61 रन बनाए। तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 39 और अक्षर पटेल ने नाबाद 21 रन बनाए। श्रीलंका के 5 गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। इनमें महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, वानिंदू हसरंगा, दसुन शनाका और चरिथ असलंका शामिल रहे।

सूर्यकुमार यादव पर आईसीसी ने 30% जुर्माना लगाया, पहलगाम अटैक पर किया था कमेंट

दुबई, 26 सितम्बर। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप लीग मैच के बाद की गई टिप्पणी पर आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, आईसीसी ने इसके लिए सूर्या पर 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। बता दें कि, सूर्या ने मैच के बाद कहा था कि, बस कुछ कहना चाहता था। ये बिल्कुल सही मौका है समय निकालकर। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। इस जीत को हमारे सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया। आशा है कि वे हमें प्रेरित करते रहेंगे और जब भी हमें मौका मिले हम उन्हें मैदान पर मुस्कुराने का और भी कारण देंगे। इस टिप्पणी में उन्होंने मई में दोनों देशों के बीच हुई सैन्य झड़प का जिक्र किया था। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सूर्या के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था।

आईसीसी ने मैदान पर आचरण के लिए रऊफ और फरहान को फटकार लगाई

दुबई, 26 सितम्बर। दुबई में 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जांचे गए दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईसीसी मैच रेफरी ने फटकार लगाई है। आईसीसी द्वारा आयोजित सुनवाई में, दोनों को आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया। क्रिकबज को पता चला है कि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर मैदान पर दुर्घटनाग्रस्त विमान की नकल करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। उन्हें खेल को बदनाम करने के लिए भी कड़ी फटकार लगाई गई है। जुर्माने की सही राशि का पता नहीं चल पाया है, लेकिन रऊफ की मैच फ़ीस का एक हिस्सा काट लिया गया है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबज़ादा फरहान को भी लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया और आईसीसी अधिकारी ने उन्हें फटकार लगाई है। फरहान ने अपने अर्धशतक का जश्न मनाने के लिए अपने बल्ले को बंदूक की तरह चलाया। फरहान ने उस सुपर 4 मुकाबले में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की छह विकेट से हार में 45 गेंदों पर 58 रन बनाए थे।

राज्य स्तरीय अंडर-23 ट्रॉफी

जयपुर को हरा उदयपुर ने जीती ट्रॉफी

पुष्पेंद्र सिंह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 26 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेले जा रही राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता के आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में उदयपुर ने जयपुर को 155 रनो से हरा जीती ट्रॉफी। फाइनल मैच के प्रेजेंटेशन समारोह में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य आशीष तिवाड़ी ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व मोमेंटो प्रदान किये।

हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर है, विवाद पर नहीं : हरमनप्रीत कौर

बेंगलुरु, 26 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पुरुष एशिया कप को लेकर हो रहे शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए कहा है कि हम यहां केवल क्रिकेट खेलने आये और हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।

इस महीने की शुरुआत में आयोजित हुए एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैच में खिलाड़ियों के हाथ ना मिलाने और उसके लेकर हुई राजनीति और बयानबाजी को लेकर पाकिस्तान के साथ मुकाबले को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में हरमनप्रीत ने कहा, ''हम केवल मैदान पर होने वाली घटनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। अन्य मामले हमारे हाथ

से बाहर हैं। ड्रेसिंग रूम में, हम इन बातों पर चर्चा भी नहीं करते। हम यहां केवल क्रिकेट खेलने के लिए हैं, और हमारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।''

हरमनप्रीत ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 से पहले कैप्टन्स डे पर संवाददाताओं से कहा, ''फिलहाल, हमारा ध्यान शुरुआती मैच पर है, क्योंकि यही टूर्नामेंट की दिशा तय करता है। सभी मैच समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हम मैदान के बाहर होने वाली किसी भी चीज पर ध्यान नहीं देंगे।''

यह सिर्फ़ इरादे का बयान नहीं था, बल्कि एक ऐसी खिलाड़ी के निजी सफर का प्रतिबिंब था जो पंजाब के घरेलू सर्किट से 12 साल बाद घरेलू विश्व कप टीम की कप्तानी तक पहुंची।

अभिषेक ने मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

दुबई, 26 सितंबर। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ अपने बल्ले से तबाही मचा दी। इस दौरान उन्होंने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह एशिया कप के टी20 सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

राजधानी

हेरिटेज निगम के किशनपोल जोन ने किए पांच जर्जर भवन अस्थाई सीज

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज के किशनपोल जोन क्षेत्र में जर्जर भवनों पर कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी के नेतृत्व में भवन निर्माण शाखा और सतर्कता दस्ते में पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज कर दिया है। जोन कार्यालय की ओर से सभी पांच भवन मालिक को जर्जर भवन के तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए थे। नोटिस के बाद भी जर्जर भवन की मरम्मत कार्य शुरू नहीं करने पर जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज किया है। सभी जर्जर भवन जौहरी बाजार के मोती सिंह भोमिया जी के रास्ते में है। इन भवनों को किया अस्थाई सीज 4319, नथमल जी का चौक, 4310, नथमल जी का चौक 4356, नथमल जी का चौक 3952 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ता 2305 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ते में की गई कार्रवाई।

मिलने का झांसा दे मूकबधिर लड़की से दुष्कर्म

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट में रहने वाली एक मूकबधिर लड़की के गलत नंबर पर वीडियो कॉल लग गया। जिसके बाद अज्ञात बदमाश ने पीड़िता से इशारों में बात कर उसे मिलने का झांसा देकर अकेले में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद शातिर बदमाश ने किसी को ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लड़की गुमशुम रहने लगी तो परिजनों ने वजह पूछी। जिसके बाद पीड़िता ने इशारों के माध्यम से परिजनों को आपबीती सुनाई । घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित पिता ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ पॉस्को एक्ट का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।पुलिस ने बताया कि पीड़ित पिता का आरोप है कि उसकी मूकबधिर बेटी से 10 दिन पहले गलत नंबरों पर वीड़ियों कॉल लग गया था। जिसके बाद आरोपी अज्ञात लड़के ने इशारो में लड़की से बात की। जिसके बाद आरोपी ने दो - तीन बार वीड़ियो कॉल किया। शातिर बदमाश ने इशारो के माध्यम से लड़की को मिलने का झांसा देकर हाट बाजार बुलाया। जहां से आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर एक होटल में ले गया। आरोपी ने होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और ये बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पिता को वारदात की जानकारी मिलने के बाद उन्होने थाने पहुंच अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

अक्टूबर में चलेगा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान : अतिरिक्त मुख्य सचिव

राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 से प्रदेश में लगेगी साइबर क्राइम पर लगाम

जयपुर। प्रदेश में त्योहारों के सीजन के चलते ऑनलाइन ठगी एवं अन्य साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराधों से रोकथाम के लिए गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य

- **साइबर अपराधों के विरूद्ध लड़ाई में ऊर्जा, पीएचईडी, शिक्षा, जनसंपर्क विभाग, बैंक सहित सभी विभाग एकजुट**

सचिव श्री भास्कर ए. सावंत ने राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930, साइबर सुरक्षा जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभाग को एकजुट होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अक्टूबर माह में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति तक इस हेल्प लाइन नं. 1930 की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहें थे।

शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को शहर के प्रमुख चौराहों पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 और साइबर अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरुकता के लिए होर्डिंग्स लगवाने, जिलों में सोशल मीडिया जैसे इस्ट्राठाम, फेसबुक एवं एक्स हैण्डलस पर स्थानीय इंफलुएसर्स के साथ मिलकर प्रचार-प्रसार, ऊर्जा एवं पीएचईडी विभाग को उपभोक्ता बिलों पर 1930 हेल्प लाइन नम्बर का प्रकाशन, शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक संघों के साथ बैठक आयोजित कर साइबर सुरक्षा जागरूकता पहलुओं जैसे ओटीपी, एटीम पासवर्ड साझा नहीं करना, अनजान लिंक्स पर क्लिक नहीं करने, अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने, डाटा प्राईवेसी, डिजिटल पेमेंट सेफ्टी आदि से संबंधित सुरक्षा प्रावधानों के बारे में जागरुक करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर कलक्टर एवं एसपी को अपने जिले के शीर्ष बैकों, व्यापारी संघों के साथ बैठक आयोजित कर आमजन को हैल्प लाईन नं. 1930 के बारे में जागरूक करने एवं अन्य साइबर सुरक्षा संबंधी पहलुओं के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव श्री रवि कुमार सुरपुर, गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव श्री महेंद्र कुमार खींची, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सचिन मित्तल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा सहित ऊर्जा, पीएचईडी, उपभोक्ता मामले एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्ट व क्राफ्ट प्रदर्शनी शिल्पकार का आगाज

- **प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं**
- **क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।**

जयपुर। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अद्वितीय प्रदर्शन है - शिल्पकार आर्ट और क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये शिल्पकार, जिन्होंने विभिन्न पारंपरिक कलाओं में महारत हासिल की है, भारतीय शिल्पकला में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान और पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रदर्शनी का आज विधिवत उद्घाटन एमएलए, गोपाल शर्मा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके अलावा प्रदर्शनी में प्रेजिडेंट, राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के.एल.जैन; डीसी हैंडीक्राफ्ट्स सीतापुरा जयपुर, वरिष्ठ सहायक निदेशक, रजत वर्मा और सुधीर माथुर शामिल थे।

प्रदर्शनी में सबसे ख़ास आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं और इसे बड़ी ही कुशलता और बारीकी से तैयार किया है। इस नक्काशी को नाज़ुक फूलों और पत्तियों से सजाया गया है, जो कारीगर के असाधारण कौशल को दर्शाता है। मूर्ति का वज़न 2367 कैरेट, ऊँचाई 8 सेमी, चौड़ाई 9 सेमी तथा गहराई 6 सेमी है। राज्य स्तरीय एवं कलारत्न पुरस्कार से सम्मानित, सुनीश मारू की बजरंग बलि की विश्व प्रसिद्ध जेमस्टोन पेंटिंग जो अन्यन्त्र कही नही बनाती है, इस प्रकार की पेंटिंग को कांच के पीछे से बनाया जाता है। राम सोनी द्वारा भगवान कृष्ण की यमुना तट पर कदम वृक्ष के नीचे अपनी गाय चराते हुए बैठे सांझी आर्ट (पेपर कटिंग) चित्र जो गोचारण लीला को दर्शाता है और शिपगुरु विनोद कुमार जांगिड़ की चन्दन की लकडी पर नक्काशी से भगवान महावीर के मंदिर में भगवान की 24 तीर्थंकरों का निवास है। ये शिल्पकार, जो अपने-अपने शिल्प में निपुण हैं, अपनी परंपराओं को संरक्षित और विकसित कर रहे हैं, जिससे भारतीय कला को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। उनकी अद्वितीय कारीगरी और समर्पण भारत की शिल्पकला की अनंत सुंदरता और विविधता को जीवंत बनाए रखने का उदाहरण है।

गोविंद देवजी मंदिर में पंच कुंडीय दुर्गा-गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को सुबह आठ से दस बजे तक शक्ति साधना महोत्सव-2025 का आयोजन किया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी, देवमाता गायत्री, मां दुर्गा और गुरु सत्ता के षोडशोपचार पूजन के बाद पंच कुंडीय दुर्गा गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शारीरिक, आर्थिक, मानसिक सहित किसी भी तरह की अशक्ति को दूर कर शक्ति अर्जन के लिए दुर्गा गायत्री महामंत्र गिरिजायै विद्महे शिवप्रियाय च धीमहि तन्नो दुर्गा प्रचोदयात् के साथ आहुतियां प्रदान की जाएंगी। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्ग के 12193 कार्मिकों को मिली पदोन्नति

विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में चयनित हुए कार्मिक

जयपुर । राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से अजमेर में आयोजित विभागीय पदोन्नित समिति (डीपीसी) की बैठक में वर्ष 2025-26 हेतु अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक तथा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 हेतु उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी में कुल 11,886 कार्मिकों का चयन किया गया। इसी प्रकार विभिन्न संवर्गों की रिव्यू डीपीसी में भी चयन किया गया, जिनमें द्वितीय श्रेणी अध्यापक से प्राध्यापक पद पर 205 कार्मिक, छाया पद प्राचार्य पर 12, छाया पद प्राध्यापक पर 14 तथा प्राचार्य रिव्यू डीपीसी के अंतर्गत व्यक्तिगत प्रकरणों में 2 कार्मिक शामिल रहे। समठा रूप से विभाग में अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक एवं उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी तथा प्राध्यापक (विभिन्न विषय-रिव्यू), छाया पद प्राचार्य एवं प्राध्यापक तथा प्राचार्य (रिव्यू) सहित कुल 12,193 कार्मिक पदोन्नित से लाभान्वित हुए हैं। उक्त डीपीसी राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा मनोनीत माननीय सदस्य प्रो. (डॉ.) अय्यूब खान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें सदस्य सचिव निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान श्री सीताराम जाट, कार्मिक विभाग से मनोनीत श्री सैयद सिराज अली जैदी तथा शासन द्वारा नामित संयुक्त शासन सचिव श्री मनीष गोयल सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे।ये पदोन्नितयां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रिक्त पदों की पूर्ति एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम हैं। शिक्षामंत्री श्री मदन दिलावर एवं शासन सचिव, शिक्षा श्री कृष्ण कुणाल ने पदोन्नत अधिकारियों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनसे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आ ान किया। श्री मदन दिलावर, शिक्षामंत्री राजस्थान ने कहा कि शिक्षा विभाग के 12,193 कार्मिकों की पदोन्नित राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समावेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राज्य सरकार हर वर्ष ''प्रवासी राजस्थान सम्मान'' देगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में प्रवासी राजस्थान मीट में भाग लिया

जयपुर, 26 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट में कहा कि दुनियाभर में रहने वाले प्रवासी

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष से 10 दिसम्बर को जयपुर में प्रवासी राजस्थान दिवस का आयोजन किया जायेगा। प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रभावों को मजबूती देने के लिए एक विशेष विभाग गठित किया जायेगा।**

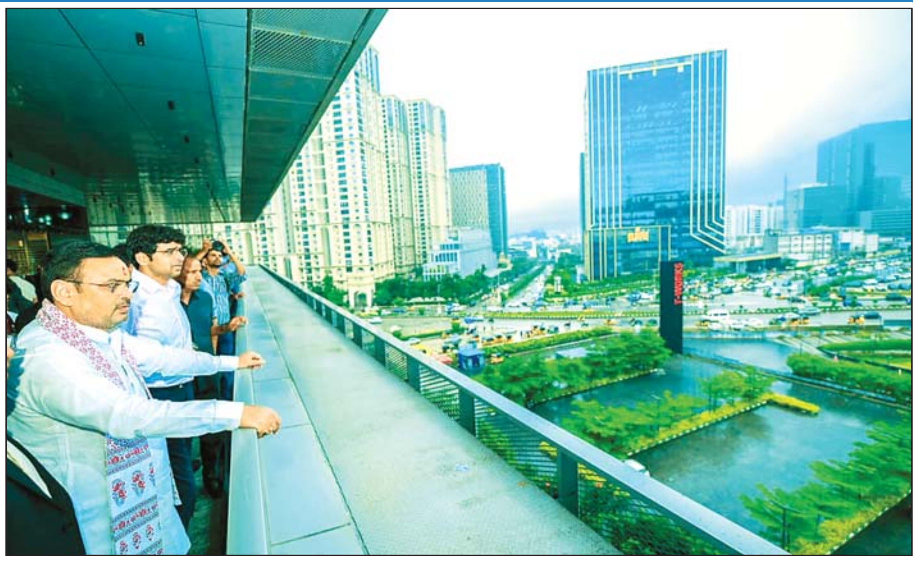

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में हाईटेक सिटी और आई टी हब का दौरा किया।

राजस्थानी जहां भी जाते हैं, वहाँ, अपनी संस्कृति और संस्कारों से राजस्थानी मिट्टी की खुशबू फैलाते हैं। उन्होंने प्रदेश में निवेश कर 'विकसित राजस्थान' के निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रवासी राजस्थानी का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम ''प्रवासी राजस्थानी दिवस'' आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा और इस अवसर पर हर साल ''प्रवासी राजस्थानी सम्मान'' भी दिया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रयासों को मजबूती देने के लिए, एक विशेष विभाग गठित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही,राजस्थान फाउंडेशन को सशक्त किया गया है। पिछले एक वर्ष में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं और कुल 26 चैप्टर अब सक्रिय हैं।

दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे प्रमुख शहरों में फाउंडेशन के चैप्टर सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम निवेश की सीमा 100 करोड़ रुपये से घटाकर 50 करोड़, तथा रिप्स-2024 में 10 करोड़ कर दी गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और कई उद्यिमयों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की सदस्यता की शुरुआत भी की गई। कार्यक्रम में उद्योग राज्यमंत्री के के बिश्नोई, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त मनीषा अरोड़ा, प्रवासी समुदाय के अनेक प्रतिनिधि व उद्यमी उपस्थित थे।

दशकों से अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी टैरिफ में बदलाव किया गया है। कुछ बड़ी दवा कंपनियाँ अपनी निवेश योजनाओं को यूरोप और ब्रिटेन में स्थित अपने पुराने ठिकानों से हटाकर अमेरिका की ओर ज्यादा केन्द्रित करने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि भारत नए टैरिफ से प्रभावित हो सकता है, लेकिन इससे यूरोपीय और ब्रिटिश दवा कंपनियों के हितों को गहरा धक्का लग सकता है। उदाहरण के लिए, लंबे समय से स्थापित दवा कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम अपने कुछ प्रस्तावित निवेश ब्रिटेन से हटाकर अमेरिका में स्थानांतरित कर रही है, ताकि टैरिफ के असर को कम किया जा सके।

दवाओं के अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के तहत, भारी ट्रकों और कुछ फ़र्नीचर उत्पादों, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम फिटिंग्स पर भी टैरिफ लगाया गया है। फ़र्नीचर बनाने वाली अग्रणी स्वीडिश कंपनी को भी इन नए शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने दवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही है, लेकिन अब यह आशंका है कि भारत से निर्यात होने वाली कॉम्प्लेक्स जेनेरिक और स्पेशलिटी मेडिसिन्स भी इस दायरे में आ सकती हैं। हालांकि भारत की कई बड़ी कंपनियों के अमेरिका में पहले से उत्पादन केन्द्र मौजूद हैं, फिर भी इस नीति से उनका मुनाफा प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी बाजार में पहले से ही कम मुनाफे पर काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों को झेलना मुश्किल लग सकता है और अंततः इसकी लागत उपभोक्ताओं या बीमा कंपनियों पर डाल सकती हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिकी उपभोक्ता कम कीमत वाली भारतीय जेनेरिक दवाओं पर निर्भर हैं। अगर इन पर भी शुल्क लागू हुआ, तो दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी महंगाई बढ़ेगी और संभवतः दवा की कमी भी हो सकती है ट्रंप पहले ही भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिसमें रूस से तेल खरीद जारी रखने के लिए 25 प्रतिशत पेनल्टी टैक्स भी शामिल है।

इलाहाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज फैसला सुनाया गया। राहुल गांधी ने वाराणसी के स्पेशल जज, एमपी/एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। उन्होने वाराणसी एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने को दी थी। उच्च न्यायालय से याचिका खारिज होने के बाद अब वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका पर आगे की सुनवाई होगी। पिछली 21 जुलाई को वाराणसी एमपी/एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के ख़िलाफ़ निगरानी याचिका को स्वीकार किया था जिसके खिलाफ राहुल गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ली थी।

जस्टिस एस.पी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिलहाल जस्टिस एसपी शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। जस्टिस शर्मा 26 सितंबर, 2026 को रिटायर होंगे।

आईटी मंत्री अश्विनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी संख्या में इंजीनियर, सॉफ़्टवेयर डेवलपर और बढ़ता हुआ स्टार्टअप इकोसिस्टम पहले से ही प्रतिस्पर्धी घरेलू समाधान बना रहे हैं। ज़ोहो और स्थानीय डिजिटल मैपिंग प्लेटफ़ॉर्म जैसे सॉफ़्टवेयर और सेवाओं के विकल्प यह साबित करते हैं कि देश व्यावहारिक विकल्प पेश करने में सक्षम है। विशाल घरेलू बाज़ार के साथ ये ताकतें तुरंत निर्यात पर निर्भर हुए स्थानीय नवाचार को बड़ा बनाने का अवसर देती हैं। संभावनाओं के बावजूद कई बाधाएँ हैं। कई घरेलू तकनीकी उत्पाद फीचर्स, भरोसेमंदी और उपयोगकर्ता अनुभव के मामले में अंतर्राष्ट्रीय उत्पादों से पीछे हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए बदलाव मुश्किल हो जाता है। हार्डवेयर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में गहरी संरचनात्मक समस्याएँ हैं, क्योंकि भारत अभी भी आयातित पुर्ज़ों और सीमित हाई-एंड विनिर्माण ढाँचे पर निर्भर है। आपूर्ति श्रृंखला की कमी, असंगत इंटरनेट कनेक्टिविटी और ग्रामीण ढाँचे की कमियाँ अपनाने की प्रक्रिया को और जटिल बनाती हैं। अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा भी दबाव बढ़ाती है। भारत को न केवल बराबरी करनी है बल्कि पहले से स्थापित बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला भी करना है, जिसके लिए लगातार रिसर्च और डवलपमैंट में निवेश करना नई प्रतिभा को जोड़ना व आधुनिक सुविधाओं का निर्माण करना होगा। उपभोक्ता व्यवहार- जिसे ब्रांड वफ़ादारी, कीमत की संवेदनशीलता और गुणवत्ता की धारणा प्रभावित करती है-भी एक चुनौती है। अगर मजबूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा और वैश्विक मानकों का पालन नहीं किया गया तो घरेलू विकल्पों के लिए भरोसा पाना कठिन होगा। स्वदेशी टैक पहल में बदलाव लाने की ताकत है।

- **''स्वदेशी टैक'' को एक एडवान्टेज जरूर है, उनके समक्ष भारत का विशाल ''डॉमैस्टिक'' मार्केट है और उन्हें विदेशी ग्राहकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।**
- **पर, यह भी सच है कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दशकों से मार्केट में हैं तथा भारतीय ग्राहकों तक में उनके प्रति ब्राण्ड लॉयल्टी है।**

मनमोहन सिंह के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेता राहुल गांधी तथा अन्य कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि देश में उन्होंने जो आर्थिक सुधार शुरु किए उनके कारण राष्ट्र आज तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है।

रॉनल्ड रीगन के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज की वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के समय में भारत के लिए घरेलू मांग को बढ़ावा देना ज़रूरी है। अमेरिका में टैरिफ बाधाओं की वजह से भारत के निर्यात का बड़ा भाग देश के भीतर ही अटका हुआ है, बजाय उन बाज़ारों में पहुँचने के, जहाँ के लिए इन्हें बनाया गया था। इन सामानों की बिक्री तभी होगी, जब घरेलू मांग मज़बूत हो, ताकि सामान मैनुफैक्चर करने वालों पर अतिरिक्त माल का बोझ न पड़े।

इसीलिए प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे त्योहार मनाएँ, खर्च करें, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ी हुई मांग की मजबूत खुराक मिल सके। निश्चित रूप से इस समय जीएसटी दरों में की गई कटौती के कारण कीमतें घटने पर खरीदारों की तरफ से प्रतिक्रिया उत्साहपूर्ण होगी। उदाहरण के तौर पर, मोटर वाहनों की ऑन रोड कीमतों में कटौती हुई है। इसके परिणामस्वरुप, कार और दोपहिया वाहनों की कीमतों में भारी कमी आई है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि ऑटोमोबाइल निर्माताओं की बिक्री ज्यादा होगी।

कम कीमत वाले सामानों, जैसे बिस्कुट पैकेट से लेकर दवाइयों तक, दरों में कटौती से भी मांग में उछाल आएगा और बिक्री में तेजी होगी। हालाँकि केवल एक त्योहार के मौसम की बिक्री लंबी अवधि में बड़ा असर नहीं डाल सकती। मांग में लगातार और स्थायी बढ़ोतरी के लिए मज़बूत आधार होना चाहिए और यह भी ज़रूरी है कि मांग एक ऊँचे स्तर पर जाकर स्थिर हो।

अर्थशास्त्र केवल त्योहारी सीज़न की बिक्री और खुशगवार माहौल से नहीं चलता। इन प्रोत्साहनों को लंबे समय तक सफल बनाने के लिए मांग में वृद्धि को लंबे समय तक बनाए रखना होगा। यह काम केवल एक बार की दर कटौती से कहीं ज्यादा कठिन काम है।

एक आशाजनक संकेत यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से अपनी आंतरिक खपत पर आधारित है और पूरी तरह से निर्यात पर ज़्यादा निर्भर नहीं है। इसलिए मौजूदा स्थिति में घरेलू खपत में बढ़ोतरी अगर लंबे समय तक जारी रही, तो यह विकास का इंजन बन सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की अपनी आंतरिक गति को देखते हुए यह उम्मीद की जा सकती है कि यह अर्थव्यवस्था को उच्च विकास के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए पर्याप्त प्रारंभिक बल देगी। ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि सरकार ऐसे कदम न उठाए, जो अर्थव्यवस्था के इस स्वाभाविक विकास प्रक्रिया में रुकावट डालें।

- **पर, यह भी सच है कि एक त्योहार का सीजन पर्याप्त नहीं है, देश की इकॉनमी को पार लगाने के लिए। जनता की डिमांड में कुछ स्थायित्व होना जरूरी है। अर्थशास्त्री यह भी आशा कर रहे हैं कि एक सफल सीज़न में जो ''डॉमेस्टिक डिमांड'' जागृत हुई है, उसकी लत लगेगी जनता को और भारत की इकॉनमी का चक्का चल निकलेगा, जैसा रीगन के समय हुआ था।**

पाकिस्तान ने फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर आने का भी सौहार्दपूर्ण निमंत्रण दिया।''संघर्षविराम के पहले दिन से ही भारत यह कहता आया है कि यह पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने ही अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिये सम्पर्क किया था।

जब यह संदेश आया, तब तक भारत पहले ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कई प्रमुख आतंकी ठिकानों को तबाह कर चुका था, जिनमें सैन्य लक्ष्य जैसे हैंगर, रडार, एंटी-एयरक्राफ्ट प्लेटफॉर्म और एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महंगा एडब्ल्यूएसीएस (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) विमान शामिल थे, जो ज़मीन पर मौजूद था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क्रो रुबियो ने उन्हें फोन कर कहा था कि ''पाकिस्तानी बातचीत के लिए तैयार हैं,'' जिसके बाद पाकिस्तान के डायरेक्टर-जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स ने भारत से संपर्क किया।

जयशंकर ने हाल ही में संसद में ''ऑपरेशन सिंदूर'' पर हुई बहस के दौरान कहा था, ''22 अप्रैल (पहलगाम आतंकी हमला) और 17 जून (संघर्षविराम की घोषणा की तिथि) के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच कोई बात नहीं हुई।'' 2016 के उरी सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक या अन्य पूर्व सैन्य अभियानों, जो ''स्केल'' तथा ''स्कोप'' के मामले में सीमित थे, तुलना में, ऑपरेशन सिंदूर तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत, विस्तृत और भारत द्वारा अब तक की गई।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908